पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 118

ग्वालियर, शुक्रवार , 18 जून, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

आधुनिक होंगी देश की 41 आयुध फैक्टरियां, केंद्र ने दी 7 कंपनियों में बदलने को मंजूरी

नई दिल्ली (ए)। केंद्र सरकार ने एक बड़ा सुधारात्मक कदम उठाते हुए बुधवार को करीब 200 साल पुराने आयुध कारखाना बोर्ड के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी। इसका उद्देश्य आयुध कारखानों की क्षमता बढ़ाने के साथ ही उन्हें प्रतिस्पर्द्धा के लिए तैयार करना है। इसके लिए बोर्ड के तहत संचालित हथियार और असलहा तैयार करने वाली 41 आयुध फैक्टरियों को आपस में विलय करते हुए सात कंपनियों में तब्दील किया जाएगा। केंद्रीय कैबिनेट ने करीब दो दशकों से लंबित इस सुधार प्रक्रिया पर बुधवार को मंजूरी की मुहर लगा दी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस निर्णय को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि इन आयुध कारखानों में कार्यरत 70,000 कर्मचारियों की सेवा शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह निर्णय देश के रक्षा उत्पादन में बढ़ोतरी के मकसद से लिया गया है। यह एक बड़ा फैसला है और इससे देश की रक्षा जरूरतों को पूरी की जा सकेंगी। इससे हमें अपने रक्षा उत्पादन के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी। अधिकारियों के अनुसार, सभी सात कंपनियां रक्षा क्षेत्र के अन्य उपक्रमों की तरह ही होंगी और उनका संचालन पेशेवर प्रबंधन द्वारा किया जाएगा, जिनका लक्ष्य उत्पादों की संख्या बढ़ाने के साथ ही किफायती और बेहतरीन गुणवत्ता

देना होगा। सुधार की यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्म निर्भर भारत के दृष्टिकोण के तहत की जा रही है। एक अधिकारी अनुसार, विलय के बाद बनने वाली सात कंपनियों में गोलाबारूद ग्रुप, व्हीकल ग्रुप, हथियार और उपकरण ग्रुप के साथ ही टुकडियों की सुविधाओं की सामग्री व अन्य ग्रुप होंगे। कैबिनेट के इस फैसले से इन कंपनियों को स्वायत्तता के साथ-साथ क्षमताओं के विकास और उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही पुरानी खामियों को दूर करने में भी मदद मिलेगी।

सभी कर्मचारी शुरुआती दो साल भेजे जाएंगे प्रतिनियुक्ति पर: एक अधिकारी के अनुसार, आयुध कारखानों से जुड़े सभी कर्मचारियों (ए, बी और सी) को शुरूआत में प्रतिनियुक्ति पर दो साल के लिए इन नई कंपनियों में भेजा जाएगा। इस दौरान उनकी सेवा शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और वे केंद्र सरकार के ही कर्मचारी रहेंगे। कैबिनेट के फैसले के मुताबिक, मौजूदा और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सारे दायित्वों का सरकार निर्वहन करेगी।

आयुध फैक्ट्री बोर्ड के कर्मचारियों के हितों रक्षा करेगी सरकार: केन्द्र सरकार ने आयुध फैक्ट्री बोर्ड के विलय का निर्णय तो लिया, लेकिन इसके साथ-साथ इसके कर्मचारियों आदि के हितों की रक्षा का पूरा ध्यान रखा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार समूह ए, बी और सी के कर्मचारियों की सेवा शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कोरोना की तीसरी लहर ला सकती है तबाही

महाराष्ट्र में बच्चे भी होंगे प्रभावित, विशेषज्ञों की चेतावनी

नई दिल्ली(ए)। महाराष्ट्र में विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि राज्य में कोरोना की तीसरी लहर से तबाही मच सकती है। महाराष्ट्र कोविड -19 टास्क फोर्स और चिकित्सा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि उचित कोरोना मानदंडो का पालन नहीं किया गया तो राज्य में कोरोना वायरस की तीसरी लहर में सक्रिय मामलों की संख्या को बढ़कर दोगुनी हो सकती है। आशंका है कि राज्य में तीसरी लहर में मरीजों का आंकड़ा 8 से 10 लाख तक हो सकता है। इसमें करीब 10 फीसदी संख्या बच्चों की हो सकती है। बुधवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ हुई बैठक में एक अधिकारी ने कहा, डेल्टा प्लस वैरिएंट महाराष्ट्र में तीसरी लहर पैदा कर सकता है और यह लहर दोगुनी दर से फैल सकती है। टास्क फोर्स के सदस्यों ने यह भी चेतावनी दी कि अगर कोविड -19 प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया तो महाराष्ट्र दूसरी लहर से बाहर आने से पहले ही तीसरी लहर में प्रवेश कर सकता है। तीसरी लहर के खतरे को देखते हुए विशेषज्ञों ने कहा कि बड़े पैमाने पर कोरोना टेस्टिंग और टीकाकरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके अलावा कोविड प्रोटोकॉल और प्रतिबंधों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। राज्य कोविड टास्क फोर्स की चेतावनी के बाद, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को स्वास्थ्य एजेंसियों को ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ राज्य में दवाओं और उपकरणों का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने का निर्देश दिया। कोरोनोवायरस की तीसरी लहर की तैयारियों की समीक्षा के लिए हुई बैठक में, विशेषज्ञों ने कहा कि खतरनाक डेल्टा प्लस वैरिएंट महाराष्ट्र में तीसरी लहर पैदा कर सकता है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई प्रेजेंटेशन में बताया गया कि अगर कोरोना की तीसरी लहर राज्य में प्रवेश करती है तो कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या आठ लाख तक पहुंच सकती है और उनमें से 10 प्रतिशत संख्या बच्चो की हो सकती है।

भारत में उच्चतम बागवानी उत्पादन का रिकॉर्ड: कृषि मंत्री तोमर

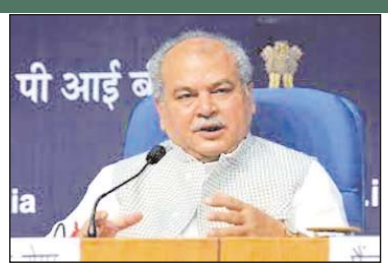

नई दिल्ली (ए)। बागवानी के क्षेत्र में इजरायल की प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा और केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने संयुक्त रूप से भारत-इजरायल कृषि परियोजना (आईआईएपी) के तहत कर्नाटक में स्थापित 3 उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री व क्षेत्रीय सांसद प्रल्हाद जोशी विशेष अतिथि थे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) डिवीजन और मशाव (MASHAV) - इज़राइल की अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी, इज़राइल के सबसे बड़े त2त सहयोग का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत में 12 राज्यों में 29 ऑपरेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सहित, स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप उन्नत इज़राइली एग्रो-प्रौद्योगिकी को लागू कर रहे हैं। इन 29 पूर्णतः क्रियाशील सीओई में से 3 कर्नाटक से हैं। ये हैं- आम के लिए कोलार, अनार के लिए बगलकोट और सब्जियों के लिए धारवाड़। उत्कृष्टता के ऐसे केंद्र ज्ञान सृजित करते हैं, सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रदर्शन करते हैं और अधिकारियों तथा किसानों को प्रशिक्षित करते हैं।

कृषिमंत्री तोमर ने कहा कि तकनीक के मामले में दोनों देश एक साथ काम कर रहे हैं, जिसका परिणाम अच्छे रूप में परिलक्षित हो रहा है। इजराइल की तकनीक से स्थापित सेंटर्स बहुत सफल रहे हैं। ये सेंटर्स किसानों की आय दोगुनी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना भी है। भारत और इजराइल के बीच तकनीक की साझेदारी से उत्पादकता बढ़ने के साथ ही किसानों को उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार लाने में मदद मिल रही है। इससे उपज के दाम अच्छे मिलते हैं। सेन्टर्स ऑफ एक्सीलेन्स ने नई तकनीकों के प्रचार-प्रसार व प्रदर्शन के साथ-साथ इनके आसपास के किसानों और फील्ड स्टाफ को प्रासंगिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तोमर ने कहा कि इजराइल के तकनीकी सहयोग से एकीकृत बागवानी विकास मिशन (MIDH) द्वारा वित्तपोषित, 34 सी.ओ.ई. अनुमोदित किए गए हैं, जिनमें से 29 सेन्टर्स सफलतापूर्वक अपनी भूमिका निभा रहे हैं और इनका सुफल किसानों को मिल रहा हैं। इनमें से 3 कर्नाटक में शुरू किए हैं।

बांका मदरसा ब्लास्ट केस में मस्जिद कमेटी के सदस्यों की कुंडली खंगालने में जुटी पुलिस

बांका (ए)। बिहार के बांका में मदरसा ब्लास्ट की घटना को अब 10 दिन पूरे हो चुके हैं। इस दौरान पुलिस और उसकी जांच एजेंसियों ने मामले की तहकीकात लगबग पूरी कर ली है। हालांकि, घटना के 3 दिनों बाद पुलिस और जिला प्रशासन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्थिति स्पष्ट की थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया था कि ब्लास्ट साधारण देसी बम से किया गया था। मदरसा ब्लास्ट के आतंकी कनेक्शन के कोई सबूत नहीं मिले हैं। घटना के बाद तीन चार दिनों तक मदरसा ब्लास्ट कांड की जांच की गई। एटीएस और डॉग स्क्वायड की टीम ने भी यहां पहुंच कर मामले की जांच पड़ताल की। डीआईजी सुजीत कुमार भी जांच के दौरान यहां पहुंचे। जबकि, जिले के कई वरिष्ठ पुलिस अफसरों ने उस दौरान बाकायदा यहां कैंप किया। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार पुलिस इस ब्लास्ट से जुड़े तथ्यों तक पहुंचने के नजदीक है। ब्लास्ट के पीछे के तथ्यों की तह तक पहुंचने की कोशिश में पुलिस बिहार के साथ साथ झारखंड के कुछ हिस्से में दबिश दे चुकी है। इस मामले में पुलिस ने कई ग्रामीणों से पूछताछ की, लेकिन खबरों के अनुसार कोई अहम सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा है। अलबत्ता आधे दर्जन लोगों से सघन पूछताछ में पुलिस को मदरसा ब्लास्ट मामले में कुछ महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगने की बात कही जा रही है। पुलिस ने 2 दिन पूर्व मदरसा ब्लास्ट में जख्मी मौलवी की लाश कार से नवटोलिया गांव के बाहर उतारकर फरार हो जाने वाले ड्राइवर को भी हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की है।

बिना मापदंड चल रहे नौ निजी अस्पताल बंद होंगे

थमाया नोटिस, नए मरीज भर्ती करने पर रोक

भोपाल। राजधानी में बगैर मापदंड के चल रहे करीब नौ निजी अस्पताल बंद होंगे। अस्पतालों की जांच के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने इन्हें बंद करने को नोटिस थमा दिया है। नोटिस में इनसे एक महीने के भीतर जवाब मांगा गया है। इन अस्पतालों में नर्सिंग होम्स एक्ट में तय प्रावधान के अनुसार कहीं डॉक्टर नहीं हैं तो कहीं नर्स व अन्य स्टाफ नहीं हैं। बता दें कि एक्ट में प्रावधान है कि एक महीने का नोटिस देकर अस्पताल से पहले जवाब मांगा जाए। इसके बाद ही अस्पताल को बंद कराया जा सकता है। हालांकि, जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के सख्त रवैये से तय है कि इन अस्पतालों को बंद करने का निर्णय ले लिया गया है। यही वजह है कि अस्पतालों को साफ कह दिया गया है कि अब नए मरीजों को भर्ती नहीं किया जा सकेगा। जिन अस्पतालों को नोटिस दिया गया है उनमें ज्यादातर इसी साल खुले हैं। दो से तीन दिन के भीतर कुछ अन्य अस्पतालों को नोटिस जारी किया जा सकता है। इन अस्पतालों का अभी सीएमएचओ और जिला प्रशासन की तरफ से निरीक्षण कराया जा रहा है। बता दें कि स्वास्थ्य संचालनालय ने सभी जिलों को नर्सिंग होम्स एक्ट के तहत अस्पतालों का निरीक्षण करने को कहा है। ?निरीक्षण में जिन रेजीडेंट डॉक्टरों के नाम नर्सिंग होम के पंजीयन के दौरान दिए गए थे वह मौके पर नहीं मिले। नर्सें भी तय योग्यता के मुताबिक नहीं थीं। बायोमेडिकल वेस्ट का ठीक से निपटान नहीं किया जा रहा था। दो बिस्तर के बीच जितनी दूरी होनी चाहिए वह नहीं मिली। कुछ अस्पतालों में काउंटर पर रेट लिस्ट चस्पा नहीं की गई थी। ऐसे अस्पताल भी मिले जहां एक भी मरीज नहीं था। कुछ अस्पतालों ने निरीक्षण के दौरान कहा कि डॉक्टर छोड़कर चले गए हैं, इस पर निरीक्षण टीम ने कहा कि इसकी जानकारी सीएमएचओ को क्यों नहीं दी गई।

केंद्र सरकार के कोरोना के कुप्रबंधन की वजह से खस्ताहाल हुई देश की अर्थव्यवस्था: राहुल

नई दिल्ली (ए)। भारत सहित पूरी दुनिया में कोरोना महामारी का कहर जारी है। कोरोना संक्रमण की वजह से गरीबी बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कोरोना की वजह से भारत में सबसे ज्यादा गरीबी बढ़ी है। इसी रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा कि देश के पुनर्निर्माण की शुरूआत तब होगी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी गलतियों को स्वीकार करेंगे और आर्थिक विशेषज्ञों की राय पर चलेंगे। राहुल ने एक रिपोर्ट साझा करते हुए ट्वीट किया कि यह भारत सरकार के महामारी कुप्रबंधन का परिणाम है। परंतु अब हमें भविष्य की ओर देखना है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारे देश के पुनर्निर्माण की शुरुआत तब होगी जब प्रधानमंत्री अपनी गलतियां स्वीकार करेंगे और विशेषज्ञों की मदद लेंगे। नकारने की मुद्रा में बने रहने से किसी भी चीज का हल नहीं निकलेगा।

बाबा रामदेव के खिलाफ एक और केस

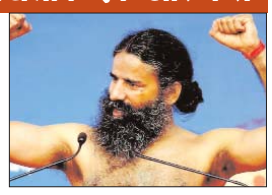

नई दिल्ली (ए)। बाबा रामदेव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कोरोना के इलाज में दी जा रहीं एलोपैथिक दवाओं को लेकर गलत जानकारी फैलाने के आरोप में उन पर यह केस दर्ज किया गया है। गुरुवार को एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बाबा रामदेव के खिलाफ बुधवार रात को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की छत्तीसगढ़ यूनिट ने एफआईआर कराई है। रायपुर के एसएसपी अजय यादव ने बताया कि रामदेव के खिलाफ सेक्शन 188, 269 और 504 के तहत केस फाइल किया गया है। महामारी को लेकर लापरवाही बरतने, अंशाति फैलाने के इरादे से अपमान करने जैसे आरोपों के तहत उनके खिलाफ केस फाइल हुआ है। पिछले दिनों बाबा रामदेव की ओर से कोरोना वैक्सीन को लगवाने की बात कही गई थी। इसके अलावा उन्होंने डॉक्टरों को धरती पर देवता के समान बताया था। इससे इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और योग गुरु के बीच विवाद खत्म होने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन अब इस एफआईआर के चलते एक बार फिर से दोनों के बीच जुबानी जंग तेज हो सकती है। एसएसपी अजय यादव ने कहा कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। आईएमए की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि रामदेव ने गलत जानकारी फैलाई है।

महामारी के दौरान डिजिटल तकनीक से मुकाबला करने, सहज होने में सहायता मिली: पीएम मोदी

नई दिल्ली (ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीवाटेक के 5वें संस्करण में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य अतिथि के रूप में भाषण दिया। प्रधानमंत्री को 2016 से हर साल पेरिस में हो रहे यूरोप के सबसे बड़े डिजिटल और स्टार्टअप कार्यक्रमों में से एक वीवाटेक 2021 में संबोधन के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। पीएम ने कहा कि भारत और फ्रांस विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर काम करते रहे हैं। इनमें प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सहयोग के उभरते हुए क्षेत्र हैं। यह वक्त की जरूरत है कि ऐसे सहयोग को निरंतर बढ़ाया जाए। इससे न सिर्फ हमारे राष्ट्रों, बल्कि दुनिया को भी काफी हद तक सहायता मिलेगी। मोदी ने कहा कि इन्फोसिस फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट के लिए तकनीक समर्थन उपलब्ध करा रही है और एटस, कैपाजेमिनी जैसी फ्रांस की कंपनियों के साथ सहयोग कर रही है, वहीं भारत की टीसीएस और विप्रो दुनिया भर की कंपनियों व नागरिकों की सेवा करने वाली दोनों देशों की आईटी प्रतिभा का उदाहरण हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कि जहां परंपरा नाकाम होती हैं, वहीं नवाचार से सहायता मिलती है। महामारी के दौरान डिजिटल तकनीक ने मुकाबला करने, जुड़ने, सहज होने और

दिलासा देने में हमारी मदद की। भारत की यूनिवर्सल और विशेष बायो मीट्रिक डिजिटल पहचान प्रणाली - आधार- ने गरीबों को समयबद्ध वित्तीय समर्थन उपलब्ध कराने में सहायता की। पीएम मोदी ने कहा कि हमने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन की आपूर्ति की है और कई परिवारों को रसोई गैस सब्सिडी दी है। भारत में हम कम समय में विद्यार्थियों की मदद के लिए दो सरकारी डिजिटल शिक्षा कार्यक्रमों- स्वयं और दीक्षा के संचालन में सक्षम हुए हैं। प्रधानमंत्री ने महामारी की चुनौती से पार पाने में स्टार्ट-अप क्षेत्र की भूमिका की प्रशंसा की। निजी क्षेत्र ने पीपीई किट, मास्क, टेस्टिंग किट आदि की कमी को दूर करने में अहम भूमिका निभाई है। डॉक्टरों ने व्यापक स्तर पर दूरस्थ चिकित्सा अपनाई, जिससे कोविड और अन्य गैर कोविड समस्याओं का वर्चुअल माध्यम से समाधान किया जा सका। दो वैक्सीन भारत में बनाई जा रही हैं और कई अन्य विकास या परीक्षण के चरण में हैं। प्रधानमंत्री ने संकेत दिए कि स्वदेशी आईटी प्लेटफॉर्म आरोग्य सेतु ने प्रभावी संपर्क अनुरेखण को सक्षम बनाया है। कोविड डिजिटल प्लेटफॉर्म से पहले ही करोड़ों लोगों को वैक्सीन सुनिश्चित करने में मदद मिल चुकी है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े स्टार्ट-अप इकोसिस्टम्स में से एक है। हाल के वर्षों में यहां कई यूनिकॉर्न सामने आई हैं। भारत उसकी पेशकश करता है, जिसकी नवाचारकर्ताओं और निवेशकों को जरूरत है। उन्होंने 5 स्तम्भों - प्रतिभा, बाजार, पूंजी, इकोसिस्टम और खुलेपन की संस्कृति पर आधारित भारत में निवेश के लिए दुनिया को आमंत्रित किया।

खास खबर

आज झांसी की रानी के बहाने सिंधिया को कोसेगी कांग्रेस

भोपाल। कांग्रेस पहली बार झांसी की रानी लक्ष्मी बाई के बलिदान दिवस पर बड़ा आयोजन करने जा रही है। अभी तक कांग्रेस लक्ष्मीबाई को श्रद्धांजलि तक अर्पित नहीं करती थी, लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में शामिल होने के बाद कांग्रेस अब लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस 18 जून को ग्वालियर स्थित उनकी समाधि स्थल पर कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। अभी तक यह कार्यक्रम भाजपा के वरिष्ठ नेता जयभान सिंह पवैया करते आ रहे थे। प्रदेश कांग्रेस की ओर से झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर ग्वालियर में पुष्पांजिल एवं श्रद्धांजलि का कार्यक्रम जारी किया है। साथ ही भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संगोष्ठी रखी गई है। कांग्रेस सूत्रों से खबर है कि रानी लक्ष्मीबाई के बहाने कांग्रेस सिंधिया पर हमला करेगी। ग्वालियर में हर साल कार्यक्रम होता आ रहा है। पिछली बार भी कांग्रेस ने लक्ष्मीबाई के बहाने सिंधिया परिवार पर हमला बोला था। चूंकि सिंधिया भाजपा में हैं, संभवत- इसलिए जयभान सिंह पवैया भी अब रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर अब सिंधिया को गरिया नहीं पाएंगे। अब यह काम कांग्रेस ने अपने हाथ में ले लिया है।

सेना और बीएसएफ जवानों के साथ अभिनेता अक्षय कुमार ने की खूब मस्ती

जम्मू (ए)। बॉलिवुड के मशहूर अभिनेता अक्षय कुमार गुरुवार को बांदीपोरा जिले की गुरेज घाटी में स्थित नियंत्रण रेखा के पास तुलैल के नीरू गांव पहुंचे। यहां अक्षय ने सेना और बीएसएफ जवानों के साथ बातचीत की। अक्षय दोपहर 12 बजे हेलिकॉप्टर से तुलैल के नीरू गांव पहुंचे। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों के साथ सेना के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान अक्षय ने उनके साथ जमकर डांस भी किया। अलग-अलग सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स से उनके फोटोज और वीडियो सामने आए हैं। बता दें, अक्षय कुमार का भारतीय सेना और जवानों के प्रति खास लगाव है। साल 2017 में उन्होंने फौजियों के लिए भारत के वीर नाम से एक पहल भी शुरू की थी। इसके जरिए देश और जनता की सुरक्षा के कर्तव्य का पालन करते हुए शहीद हुए अर्धसैनिक बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के परिवारों को सहायता दी जाती है।

एंटीलिया मामले में शिवसेना नेता को एनआईए ने किया गिरफ्तार

मुंबई (ए)। देश के सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर मिली संदिग्ध कार मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शिवसेना नेता प्रदीप शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि मुंबई के पूर्व पुलिस अधिकारी रह चुके हैं।केस के सिलसिले में गुरुवार सुबह एनआईए की टीम ने प्रदीप शर्मा के आवास पर छापेमारी की। अधिकारी ने बताया था कि एनआईए की टीम ने सीआरपीएफ कर्मियों के साथ सुबह करीब छह बजे प्रदीप शर्मा के आवास पर छापा मारा। बता दें कि प्रदीप शर्मा को गिरफ्तार करने से पहले एनआईए ने उनसे पूछताछ की। हालांकि मामले में अभी शिवसेना की तरफ से कोई भी टिप्पणी सामने नहीं आई है।

ट्विटर को भारत के कानून और संविधान के अनुसार चलना होगा: रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली (ए)। देश में ट्विटर को लेकर चल रहे विवादों के बीच सूचना प्रसारण मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बड़ा बयान दिया है। रविशंकर ने कहा कि जब भारतीय कंपनियां अमेरिका या दूसरे देशों में आईटी बिजनेस करने जाती हैं क्या वहां अमेरिका या दूसरे देशों के कानूनों का पालन करती हैं या नहीं? आपको भारत में व्यापार करना है, पीएम और हम सबकी आलोचना करने के लिए आपका स्वागत है। लेकिन भारत के संविधान, नियमों का पालन करना होगा। सोशल मीडिया की नई गाइडलाइन पर को लेकर हो रहे विवाद के बीच केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 25 मई को 3 महीने की अवधि पूरी हो गई मैंने फिर भी कहा कि ट्विटर को एक अंतिम नोटिस और दो। 3 पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए आपको बहुत बड़ी परीक्षा आयोजित करनी है? व्यापार करो, आपके यूजर्स सवाल पूछे उसका स्वागत है लेकिन भारत के संविधान और कानून का पालन करना पड़ेगा। ये गाइडलाइन अचानक नहीं आई हैं, ये काम पिछले 3-4 साल से चल रहा था। इन गाइडलाइन का संबंध सोशल मीडिया के उपयोग से नहीं, सोशल मीडिया के दुरुपयोग से है। ताकि जब इनका दुरुपयोग किया जाए,तब लोग शिकायत कर सकें।

वन-टू-वन

नगर के वार्ड 16,17,18 नागरिकों के लिए वेक्सीन शिविर आज

अम्बाह। अनुविभागीय अधिकारी राजीव समाधिया के मार्गदर्शन में 18 जून शुक्रवार को कोविड मेगा वैक्सीन कैम्प नगर के क्रमांक 16,17,18 के नागरिकों के लिए शासकीय किला विद्यालय में सुबह 9 बजे से लगाया जायेगा जिसमें सम्मलित होने के लिये सभी वार्ड के सम्मानित लोगों से बीएमओ डॉक्टर डीएस यादव ने निबेदन किया है श्री यादव ने कहा है कि वह लोग जिनके वैक्सीन नहीं लग पाई है वह अपना आधार कार्ड लेकर कैम्प में आकर वैक्सीन लगवा सकते हैं जिससे कोविड जैसी महामारी से हर परिवार सुरक्षित रहे।

ग्राम पंचायत रिठौरा का पुरा में जनपद अध्यक्ष ने किया भ्रमण साफ सफाई के दिए निर्देश

अम्बाह। ग्राम पंचायत रिठौराकापुरा के सरपंच एवं सचिव के विवाद होने के कारण वहां विकास कार्य प्रभावित थे जलभराव जैसी समस्याओं का निराकरण भी नहीं हो पा रहा था जिसके चलते ग्राम पंचायत की जनता द्वारा जनपद अध्यक्ष राम सिंह तोमर को को इसकी सूचना दी गई जिसके बाद जनपद अध्यक्ष ग्राम पंचायत सरपंच एवं सचिव के बीच सामंजस्य बनाने के लिए गांव में पहुंचे जहां उन्होंने सरपंच सचिव उपयंत्री एवं क्षेत्रीय पीसीओ के साथ गांव का भ्रमण किया इस दौरान ग्रामीणों में उसने बताया कि गांव में गंदगी एवं जलभराव होने से मलेरिया एवं संक्रमण का खतरा पनप रहा है पंचायत उस पर ध्यान नहीं दे रही है जिस पर जनपद अध्यक्ष ग्राम पंचायत सरपंच एवं सचिव के बीच सामंजस्य बनाने के लिए गांव में पहुंचे जहां उन्होंने सरपंच, सचिव, उपयंत्री एवं क्षेत्रीय पीसीओ के साथ गांव का भ्रमण किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि गांव में गंदगी एवं जलभराव होने से मलेरिया एवं संक्रमण का खतरा पनप रहा है पंचायत उस पर ध्यान नहीं दे रही है जिस पर जनपद अध्यक्ष श्री तोमर द्वारा साफ सफाई हेतु मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए गए इसके साथ ही सचिव एवं सरपंच का विवाद भी उन्होंने मध्यस्थ बनकर सुलझाया उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि ग्राम पंचायत के लिए विकास राशि भी अतिशीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी जिससे ग्राम की समस्याओं का समाधान हो सके इस मौके पर जनपद अध्यक्ष राम सिंह तोमर उपयंत्री रामसहाय भदौरिया सरपंच, सचिव,युवा कार्यकर्ता पिंटू तोमर एवं क्षेत्रीय ग्रामीणजनों सहित ग्राम रोजगार सहायक मौजूद थे।

30 लाख रूपये की लागत से कृषक प्रशिक्षण सह कार्यशाला भवन का शिलान्यास 19 जून को

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा पोरसा विकासखण्ड के अन्तर्गत खण्ड स्तरीय कृषक प्रशिक्षण सह कार्यशाला भवन का शिलान्यास 19 जून 2021 केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर अपरान्ह 4 बजे करेंगे। यह भवन 30 लाख रूपये की लागत से बनकर तैयार होगा।

कलेक्टर ने लापरवाह तीन अधिकारियों को दिया कारण बताओ नोटिस

मुरैना। कलेक्टर श्री. कार्तिकेयन ने अधिकारियों से स्पष्ट निर्देश दिये है कि कोविड को ध्यान में रखते हुये योजनाओं को भी अधिकारी प्राथमिकता दें। लोंगो को समय पर योजनाओं का लाभ मिले। ऐसे प्रयास अधिकारी अवश्य करें। जो अधिकारी शासकीय योजनाओं में लापरवाही बरतेंगे, उन्हें बख्सा नहीं जायेगा। उन्होंने बुधवार को होने वाली टीएल बैठक में तीन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। जिसमें उन्होंने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एडी शर्मा ने जननी सुरक्षा एवं प्रसूति सहायता राशि के भुगतान संबंधित हितग्राहियों के खातों में भेजने में कोई रूचि नहीं दिखाई है। इसके अलावा पहाडग? विकासखण्ड कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी जितेन्द्र राजावत जौरा ब्लॉक के मनोज वार्ष्णेय द्वारा प्रदेश सरकार के तीन माह का राशन तथा केन्द्र सरकार द्वारा 2 माह का राशन वितरण कराने में कोई रूचि नहीं दिखाई है। इस योजना के तहत उन्होंने लक्ष्य के अनुरूप बहुत कम लोंगो को खाद्यान्न वितरण कराया है।

पुलिस ने हत्या का मामला किया दर्ज, बदमाशों की खोज में लगी पुलिस टीमें

मुरैना। बुधवार की देर शाम माता बसैया दर्शन कर लौट रहे पति पत्नी का रसीलपुर नहर की पुलिया के पास अज्ञात 7 बदमाशों ने अपहरण कर लिया और युवती को ले जाकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार कर हत्या कर दी। पुलिस ने खेत से युवती की अर्धनग्न लाश बरामद की है और अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध मामला दर्ज कर पुलिस टीमें उनकी खोज में लगा दी गई है, इधर पुलिस द्वारा अब तक की गई जांच पड़ताल में उक्त घटना को लेकर पूरा संदेह मृतिका के पति पर जा रहा है। पिछले कुछ समय से जिले भर में पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते लगातार अपराध बढ़ रहे हैं और अपराधी बेखौफ होकर घूम रहे हैं, जिससे लोग दहशत में हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जौरा थाना क्षेत्र के ग्राम मुदावली निवासी बल्लू कुशवाह का विवाह कुछ समय पूर्व अंबाह थाना क्षेत्र के ग्राम उदुआपुरा की रहने वाली भूरी कुशवाह 19 वर्ष के साथ हुआ था और मंगलवार 15 जून को वह अपने पति के साथ मायके गई हुई थी। बताया जाता है कि वहां उसके परिवार में बच्चा हुआ था और उसका बधाई कार्यक्रम था, जिसमें दोनों शामिल होने गए थे। बल्लू कुशवाह के अनुसार वह बुधवार की शाम 4 बजे के पश्चात अपनी पत्नी भूरी को मोटरसाइकिल पर बिठाकर जौरा के लिए रवाना हुआ तथा रास्ते में भूरी ने उससे माता बसैया मंदिर के दर्शन करने के लिए जिद की, बल्लू द्वारा मना किए जाने पर वह नाराज होकर गाड़ी से उतर गई, तब उसे मजबूरन मंदिर जाना पड़ा। उधर से लौटते समय अंधेरा हो गया तथा लगभग 8 बजे का समय था, जब वह पत्नी के साथ बाइक से रसीलपुर नहर की पुलिया के पास पहुंचा तो सड़क पर दो मोटरसाइकिल आडी खड़ी हुई थी। बल्लू द्वारा बाइक सवारों को हटाने को कहा गया तो उन्होंने उसकी मारपीट कर मोटरसाइकिल छुड़ा ली तथा 7 बदमाशों ने एक मोटरसाइकिल पर भूरी तथा दूसरी पर बल्लू को बिठा लिया और चल दिए। कुछ दूरी पर जाकर एक मोटरसाइकिल जिस पर बल्लू बैठा था, वह फिसल गया तथा इस दौरान बल्लू वहां से भाग निकला। बल्लू ने पास के ही गांव पहुंचकर किसी दुकान से 100 नंबर डायल कर पुलिस को फोन किया और परिजनों को सूचना दी। घटना की सूचना मिलने के काफी देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा बल्लू द्वारा बताए गए स्थान से युवती की खोज की तो कुछ घंटे पश्चात उसकी लाश खेत में अर्धनग्न अवस्था में पड़ी मिली। पुलिस द्वारा बदमाशों की खोजबीन की गई, लेकिन वह नहीं मिले। युवती के शव को मुरैना लाया गया और मेडिकल टीम से पीएम कराया गया है। पुलिस थाना माता बसैया ने बल्लू की रिपोर्ट पर से 7 अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और पुलिस द्वारा बदमाशों की खोज में कई टीमें बनाकर दबिश दी जा रही है। इस मामले में पुलिस के शक की सुई युवती के पति पर घूम रही है। उल्लेखनीय है कि ऐसा ही एक मामला पूर्व में भी इसी क्षेत्र में हुआ था और उसमें घटना को सुनियोजित तरीके से मृतिका के पति ने अंजाम दिया था, वही पैटर्न इस घटनाक्रम में देखने को मिल रहा है।

इनका कहना है.....

अभी पीएम रिपोर्ट नहीं आई है, रिपोर्ट आने के बाद ही सामूहिक बलात्कार की पुष्टि हो सकेगी। प्रथम दृष्टया हत्या का मामला 7 अज्ञात लोगों के विरुद्ध दर्ज किया गया है तथा पुलिस टीमें बदमाशों की खोज में लगातार लगी हुई है।

डॉ रायसिंह नरवरिया
एएसपी, मुरैना

क्लीन ग्रीन टीम ने बिस्मिल स्मारक के जीर्णोद्धार के लिए सौपा फिर ज्ञापन

अंबाह। आज क्लीन ग्रीन टीम ने अमर शहीद पण्डित रामप्रसाद बिस्मिल जी के स्मारक के जीर्णोद्धार के लिये एक बार पुनः ज्ञापन सौंपा जिसमें क्लीन ग्रीन टीम ने ध्वश्र नगरपालिका अम्बाह को बिस्मिल स्मारक के तल को ऊंचा करने एव प्रतिमा पर छतरी स्थापित करने का निवेदन किया जिससे कि बरसात के समय पर क्लीन ग्रीन टीम को पानी भराव के कारण दीप लगाने में कोई समस्या का सामना न करना प?। यदि बरसात से पहले टीम की मांगों पर अमल नही किया जाता है तो टीम बिस्मिल जी के सम्मान में अनिश्चित कालीन धरना देगी। इसमें आज मौजूद सदस्य शेखर माथुर पवन शर्मा अखिलेश प्रजापति रवि गोले उपस्थित रहे।

बच्चों की प्रतिभा निखारने 7 दिवसीय निःशुल्क ऑनलाइन आर्ट एंड क्राफ्ट क्लास 20 से

मुरैना।

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 2 द्वारा कोरोना काल में बच्चों की प्रतिभा को उभारने के लिए निःशुल्क ऑनलाइन आर्ट एंड क्राफ्ट क्लास का 7 दिवसीय आयोजन 20 जून को किया जा रहा है, जिसमें बच्चे संबंधित कला में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

जानकारी देते हुए जैन मिलन की क्षेत्रीय चैयरमेन सरिता जैन ने बताया कि शिक्षा के साथ साथ कला का भी हमारे जीवन में बडा ही महत्व है, हर बच्चे मे कोई ना कोई कला अवश्य छुपी हुई होती है, बस जरूरत होती है उस कला को बाहर लाकर निखारने की। इसी उद्देश्य को ध्यान मे रखते हुए भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्र-2 के द्वारा क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर राजेश जैन बंटी एवं क्षेत्रीय मंत्री वीरांगना अनीता जैन के मार्गदर्शन में 20 जून 2021 रविवार से प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 3:30 बजे तक 7 दिवसीय आर्ट एण्ड क्राफ्ट क्लास का आयोजन शुभी जैन आर्ट एण्ड क्राफ्ट एक्सपर्ट के सानिध्य में होगा, जिसमें 8 वर्ष से उपर के सभी बालक एवं बालिका भाग ले सकते हैं। इसमें शामिल होने के लिए बडी संख्या में बच्चे अपना रजिस्टेशन करवा रहे हैं। सरिता जैन ने कहा है कि बच्चे इस आर्ट एण्ड क्राफ्ट क्लास में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेकर अपनी कला को और अधिक निखारने का कार्य करें।

एस डी एम के मार्गदर्शन में वेक्सीन शिविर आज

अम्बाह। अनुविभागीय अधिकारी राजीव समाधिया के मार्गदर्शन में 18 जून शुक्रवार को कोविड मेगा वैक्सीन कैम्प नगर के क्रमांक 16,17,18 के नागरिकों के लिए शासकीय किला विद्यालय में सुबह 9 बजे से लगाया जायेगा, जिसमें सम्मलित होने के लिये सभी वार्ड के सम्मानित लोगों से बीएमओ डॉ डीएस यादव ने निबेदन किया है। डॉ यादव ने कहा है कि वह लोग जिनके वैक्सीन नहीं लगी है वह अपना आधार कार्ड लेकर कैम्प में आकर वैक्सीन लगवा सकते हैं जिससे कोविड जैसी महामारी से हर परिवार सुरक्षित रहे।

अम्बाह पुलिस द्वारा लूट के दोनो आरोपियों को 24 घन्टे के अन्दर किया गिरफ्तार तथा लूटा गया माल मशरुका किया बरामद

अम्बाह। पुलिस अधीक्षक मुरैना ललित शाक्यवार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायसिंह नरवरिया के निर्देशन मे तथा एसडीओपी अम्बाह अशोक सिंह जादौन के मार्गदर्शन में गंभीर अपराधों में आरोपियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत दिनांक 16/06/21 के शाम करीबन 06.15 बजे को देशी शराब के ठेका ग्राम बरेह से आरोपीगण निवासी बरेह के द्वारा अबैध 315 बोर की अधिया व 12 बोर की बंदूक के साथ शराब ठेका मे घुसकर शराब ठेका पर काम करने वाले सैल्समैन यदुनाथ उर्फ बबलू तोमर व सत्यभान सिंह तोमर से उनके पर्स लूटकर, ठेका की गुल्लक मे से 4000 हजार रुपये व ठेका से दो पेटी देशी मदिरा मशाला व तीन पेटी मदिरा प्लेन पेटियाँ व घटना में प्रयुक्त अबैध 315 बोर की अधिया व 12 बोर की बंदूक व मो.सा. बरामद की गई। उक्त सराहनीय कार्य मे थाना प्रभारी अम्बाह योगेन्द्र सिह जादौन, एसआई ऋषिकेश शर्मा, एसआई उपेन्द्र पाराशर, एसआई नीलम सिंह, एसआई, टीडी शुक्ला, एएसआई पंचमसिह, प्र. आर. महेश शर्मा, प्रआर. कुलदीप दोहरे .आर. सत्येंद्र सिंह, आर. योगेन्द्र राजे, आर. दीपक पचौरी, आर. चालक धर्मेंद्र परमार का विशेष योगदान रहा।

चंबल नदी से हटा पैंटून पुल

अब लगातार चार महीने होगा स्टीमर से आवागमन

अम्बाह। उसेथ पिनाहट घाट चंबल नदी पर बना पैंटून पुल गुरुवार को सुबह चार महीने के लिये हटा दिया गया।अब यहां वरसात के चार महीने स्टीमर से सबारियो को निशुल्क आवागमन कराया जायेगा। ज्ञात रहे कि पैंटून पुल हटने की तारीख 15 जून के दो दिन बाद 17 जून गुरुवार को सुबह पुल को तोड दिया गया यहाँ बतादे कि बरसात के दिनो मे बाढ का खतरा होने के कारण इस पुल को हटाकर स्टीमर से चार माह तक आवागमन कराया जाता है जिसके चलते गुरुवार को पुल हटाया गया साथ ही नदी में स्टीमर का संचालन भी शुरू कराया गया। लोक निर्माण विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि आज से चार महीने तक स्टीमर चला कर सबारियो को आवागमन कराया जायेगा अब यह 15 अक्टूबर को प्रारंभ होगा

ऑक्सीजन प्लांट का किया निरीक्षण : एसडीएम समाधिया

पोरसा। शासकीय अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण एसडीएम राजीव समाधिया, तहसीलदार राजकुमार नागोरिया, पटवारी शांतेश सिंह तोमर ने किया ऑक्सीजन प्लांट के बारे में विस्तृत जानकारी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर जी एस पाराशर,व डॉक्टर पुष्पेंद्र डण्डोतिया ने प्रदान की अब किसी को ऑक्सीजन की कमी महसूस नहीं होगी क्योंकि यहां जो प्लांट लगा है वह आक्सीजन बनाकर सीरियस मरीज को तुरंत लगाई जा सकेगी द्य जिससे मरीज को राहत मिलेगी यह केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के प्रयासों से सुविधा प्राप्त हुई है।

रिठौरा का पुरा में जनपद अध्यक्ष ने किया भ्रमण, साफ सफाई के दिए निर्देश

अम्बाह। ग्राम पंचायत रिठौरा का पुरा के सरपंच एवं सचिव का विवाद होने के कारण वहां विकास कार्य प्रभावित थे, जलभराव जैसी समस्याओं का निराकरण भी नहीं हो पा रहा था, जिसके चलते ग्राम पंचायत की जनता द्वारा जनपद अध्यक्ष राम सिंह तोमर को इसकी सूचना दी गई। जिसके बाद जनपद अध्यक्ष ग्राम पंचायत सरपंच एवं सचिव के बीच सामंजस्य बनाने के लिए गांव में पहुंचे जहां उन्होंने सरपंच, सचिव, उपयंत्री एवं क्षेत्रीय पीसीओ के साथ गांव का भ्रमण किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि गांव में गंदगी एवं जलभराव होने से मलेरिया एवं संक्रमण का खतरा पनप रहा है, पंचायत उस पर ध्यान नहीं दे रही है। जिस पर जनपद अध्यक्ष श्री तोमर द्वारा साफ सफाई हेतु मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इसके साथ ही सचिव एवं सरपंच का विवाद भी उन्होंने मध्यस्थ बनकर सुलझाया। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि ग्राम पंचायत के लिए विकास राशि भी अतिशीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे ग्राम की समस्याओं का समाधान हो सके। इस मौके पर जनपद अध्यक्ष राम सिंह तोमर, उपयंत्री रामसहाय भदौरिया, सरपंच, सचिव, युवा कार्यकर्ता पिंटू तोमर एवं क्षेत्रीय ग्रामीणजनों सहित ग्राम रोजगार सहायक मौजूद थे।

दो फर्मों के नमूने अमानक पाये जाने पर पंजीयन होंगे निरस्त

मुरैना। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मुरैना के उपसंचालक पीसी पटेल के निर्देशन में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सबलगढ़ द्वारा मैसर्स मां चामुण्डा देवी ट्रेडिंग कंपनी सबलगढ का उर्वरक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माता कंपनी कोरोमंडल के लॉट नंबर एनजी-306 एनपीएल स्कंद से नमूना कोड नंबर एफ-16 लिया जाकर विश्लेषण हेतु जबलपुर भेजा गया था, जो अमानक स्तर का पाया गया। इस संबंध में संबंधित फर्म को 7 मार्च को कारण बताओ नोटिस जारी किय गया। नोटिस का जवाब आज तक प्रस्तुत नहीं किया गया। इस संबंध में संबंधित संस्था जवाब 10 दिवस के अंदर प्रस्तुत करें। जवाब संतोषजनक न होने पर उर्वरक पंजीयन निरस्त किया जाये। कृषि विकास खंड अधिकारी पोरसा ने मैसर्स चंबल क्रय विक्रय सहकारी संस्था मर्यादित पोरसा का 12 फरवरी को उर्वरक यूरिया निर्माता कंपनी आईपीएल के लॉट नंबर (20-जे/20) स्कंद से नमूना पोर्ट नंबर बीकेएस-0044 लिया जाकर विश्लेषण हेतु ग्वालियर भेजा गया। नमूने का परिणाम अमानक स्तर का पाया गया। इस संबंध में संबंधित फर्म को 10 मार्च को नोटिस जारी किया गया था। नोटिस का जवाब अप्राप्त है। इस संबंध में संबंधित फर्म को 10 दिवस का समय अपना पक्ष रखने के लिये दिया गया है। जवाब संतोषजनक नहीं पाये जाने पर उर्वरक पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी।

नैनो न्यूज

जांच में हुआ खुलासा पत्नी व सालों की प्रताड़ना से परेशान होकर श्रीलाल ने ट्रेन से कटकर की थी आत्महत्या, पुलिस ने दर्ज किया केस

शिवपुरी। जिले के लुकवासा के पास रेलवे लाईन पर ट्रेन से कटकर श्रीलाल द्वारा आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने जांच के बाद मृतक की पत्नी ममता जाटव और उसके तीन साले मनोज, हरवीर और रवि जाटव के खिलाफ आत्महत्या उत्प्रेरण का मामला दर्ज किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि चारों आरोपियों ने घटना वाले दिन श्रीलाल की मारपीट की थी। जिससे दुखी होकर श्रीलाल ने यह आत्मघाती कदम उठाया था। ज्ञात हो कि बीती 21 फरवरी को श्रीलाल पुत्र पूरनलाल जाटव निवासी खतौरा ने ट्रेन के आगे कूंदकर आत्महत्या कर ली थी। उस समय पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना प्रारंभ की तो पता चला कि उसकी पत्नी ममता आए दिन उससे झगड़ती रहती थी। आए दिन झगड़ा होने के कारण ममता अपने मायके खरई आकर रहने लगी। इसके बाद श्रीलाल भी खरई आ गया। जहां दो महीने से वह पत्नी के साथ रह रहा था। काफी लंबा समय बीत जाने के बाद श्रीलाल ने ममता से घर जाने के लिए कहा तो ममता ने झगड़ा शुरू कर दिया। घटना वाले दिन झगड़ा इतना बढ़ गया कि ममता ने अपने भाई मनोज जाटव, हरवीर जाटव और रवि जाटव ने मिलकर श्रीलाल की मारपीट कर दी। इस घटना से वह इतना दुखी हो गया कि वह खरई से निकलकर लुकवासा पहुंचा और वहां से गुजर रही ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली।

सडक पार कर रहे मजदूर को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौके पर मौत

शिवपुरी। खबर जिले के बदरवास तहसील की हैं जहां गोलू ब्रजवासी ढ़ाबे के सामने हाईवे रोड़ अटलपुर पर बुधवार की रात्रि एक अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे मजदूर को टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामले में भादवि की धारा 304ए के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। जानकारी के अनुसार बिहार के फरहदा निवासी घरनारायण पुत्र तपेश्वरराम हरिजन, बिहार से अपने अन्य मजदूर साथियों के साथ बस में सवार होकर झाबुआ जा रहा था। बुधवार रात्रि करीब साढ़े 10 बजे बस गोलू ब्रजवासी ढ़ाबे पर रूकी। जहां बस में बैठे सभी मजदूर खाना खाने लगे।इस दौरान मृतक शौच के लिए सड़क पर कर जाने लगा। तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसको टक्कर मार दी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद सभी मजदूर साथी वहां एकत्रित हो गए। बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को उठाकर पीएम हाऊस में रखवा दिया।

नेशनल प्लेयर सोहेब की नदी में डूबाने से मौत

शिवपुरी। बुधवार को दोस्तो के साथ हातौद गांव की नदी में नहाने गए शहर के युवा फुटबॉल खिलाडी की नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतक सोहेब 6 बार स्टेट ओर नेशनल स्तर के मैचो में फुटबॉल खेल चुका था और वर्तमान में कॉलेज प्रथम का होनहार स्टूडेंट था।जानकारी के अनुसार शोएब खान उम्र 20 साल पुत्र उस्मान उर्फ भूरा खान निवासी शक्तिपुरम खुड़ा अपने दोस्त आयुष सोनी, रितिक सेन, सौरव शर्मा, मनीष रजक और हर्ष सोनी के संग नहाने के लिए बुधवार की सुबह 11 बजे बाइकों से हातौत गांव चला गया। हातौद गांव में नदी में नहाने के लिए शोएब ने छलांग लगा दी। ऊपर आने के बाद वह डूबने लगा तो दोस्तों ने अपने कप? उतार और बांधकर उसे बाहर निकालने की कोशिश की। जब असफल हो गए तो चिल्लाकर ग्रामीणों से मदद मांगी। गांव वालों ने आकर शोएब को बाहर निकाला। वहीं दोस्तों ने डायल 100 पर पुलिस को पहले ही सूचना दे दी थी। शोहेब को जिला अस्पताल लाए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

छह बार स्टेट और एक बार नेशनल खेल चुका है शोएब

मृतक शोएब खान फुटबॉल का अच्छा खिलाड़ी था। वह छह बार स्टेट और एक बार नेशनल मैच खेल चुका है। कश्मीर में आयोजित नेशनल मैच में शोएब ने मप्र की तरफ से प्रतिनिधित्व किया था। वहीं 12वीं में गणित विषय में 87 प्रतिशत अंक आए थे।

प्रदेश के भाई-बहनों को सुरक्षा चक देना हमारी जिम्मेदारी : श्री चौहान मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप को किया संबोधित

श्योपुर।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोविड संक्रमण रोकने के लिए प्रदेश में अनुकूल वातावरण निर्मित करने में हम सभी को आगे आना चाहिए। जिससे कोविड के संक्रमण को रोकने में मदद मिलेगी। जिसमें प्रदेश के भाई-बहनों को सुरक्षा चक्र देने की जिम्मेदारी भी पूरी होगी। वे आज कोविड-19 के टीकारण के संबंध में प्रदेश जिला विकासखण्ड तथा ग्राम स्तरीय कार्इसिस मैनेजमेंट ग्रुप को वीसी के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कोविड-19 के अंतर्गत हमें संक्रमण से बचाने के लिए काम करना होगा। वैक्सीनेशन से जो व्यक्ति छूट गये है। उनको वैक्सीन लगवाना अनिवार्य है। वैक्सीनेशन होने से सुरक्षा चक्र मिलेगा। उन्होने प्रधानमंत्री श्री मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि कोविड-'19 के अंतर्गत वैक्सीनेशन का काम अपने हाथ में लिया है। जिससे शेष सभी व्यक्तियों को अभियान के रूप में वैक्सीन लगाने की सुविधा मिलेगी। उन्होने कहा कि 18 से 44 वर्ष तक के नौजवान वैक्सीन लगवाने के बाद सुरक्षित होगे। उन्होने कहा कि निशुल्क वैक्सीन लगाने का अभिन 21 जून 2021 से प्रारंभ हो रहा है। इस दिन अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस भी है। छोटे-छोटे ग्रुप में योग करने से संक्रमण को भगाने में मदद मिलेगी। इसलिए 18 से ऊपर के जिन व्यक्तियों को वैक्सीन नही लगी है। वे इस अभियान में वैक्सीन अवश्य लगवावे। वैक्सीनेशन का अभियान 21 जून को प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा। इसके लिए प्रदेश के 07 हजार वैक्सीनेशन सेंटर बनाये जावेगे। साथ ही 107 हजार प्रेरक इस अभियान में अपनी भागीदारी अदा करेगे। प्रेरक कोई भी हो सकता है। जिसमें मंत्री, सांसद, विधायक, स्वयंसेवी संस्था, सामाजिक संगठन, अधिकारी, खिलाडी और मप्र की सारी हस्तियां अपने-अपने क्षेत्र में सहयोग करने के लिए मदद कर सकती है। उन्होने कहा कि कोविड-19 के अंतर्गत 21 जून को प्रारंभ किये जाने वाले अभियान के लिए प्रचार सामग्री भेजने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होने कहा कि जनप्रतिनिधि, कार्इसिस मैनेजमेंट में सदस्य, सोशल मीडिया पर अपना संदेश देकर इस टीकाकरण के महाअभियान में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। प्रचार सामग्री 20 जून तक पहुंचाने के प्रयास किये जा रहे है। जिसमें वैक्सीन ही सुरक्षा है। कृपया लगवाने का संदेश जन-जन तक पहुंचाने की पहल की जा रही है। हम सभी को पूरी ताकत के साथ अभियान चलाना है। वैक्सीन ही सुरक्षा है। वैक्सीन से छूटे हुए व्यक्ति वैक्सीन अवश्य लगवावे।एनआईसी श्योपुर में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारी और कार्इसिस ग्रुप के सदस्य मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की वीसी के दौरान एनआईसी श्योपुर में कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश शुक्ल, अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्या, जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समूह के सदस्य भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र जाट, पूर्व विधायक श्री दुर्गालाल विजय, प्रदेश कार्य समिति के सदस्य श्री कैलाशनारायण गुप्ता, मंडल अध्यक्ष श्री दिनेशराज दुबोलिया, सीएमएचओ डॉ बीएल यादव, डीपीओ महिला बाल विकास श्री ओपी पाण्डेय, होमगार्ड के कमाण्डेट श्री कुलदीप मलिक, सीएमचओ नपा सुश्री मिनी अग्रवाल उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को लिंक के माध्यम से श्योपुर जिले में जिला कार्इसिस ग्रुप के अलावा विकासखण्ड तथा ग्राम स्तरीय कार्इसिस मैनजमेंट ग्रुप और आम लोगो ने देखा और सुना।

वीसी के बाद ने टीकाकरण केन्द्र बनाने के दिये निर्देश मुख्यमंत्री श्री शिवाराज सिंह चौहान द्वारा कोविड-19 के टीकाकरण पर व्यवस्थाओं के वीसी में दिये निर्देशों के क्रम में एनआईसी में उपस्थित कलेक्टर श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव ने कार्इसिस मैनेजमेंट एवं अधिकारियों की उपस्थिति में कहा कि जिले में टीकाकरण केन्द्र बनाने की व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित की जा रही है। सीएमएचओ इस दिशा में व्यवस्थाओ को शीघ्र पूरी करें। उन्होने कहा कि 21 जून से प्रारंभ हो रहे महाटीकाकरण अभियान में प्रेरको द्वारा अपनी महती भूमिका का निर्वहन किया जावेगा। इस अभियान में सभी की भागीदारी आवश्यक है। अधिकारी/कर्मचारी भी इस दिशा में सौपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन समय रहते करे।

उड़ता शिवपुरी पर पुलिस की लगाम - कार व बाइक से बेचने आए थे 14.50 लाख की स्मैक, पुलिस ने पकड़, 5 पर केस दर्ज

शिवपुरी।

फिजीकल थाना पुलिस को बुधवार को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने लाखों रुपए की स्मैक जब्त कर पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित कार व बाइक से स्मैक बेचने आए थे जिसकी सूचना पुलिस को लग गई और तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपितों को धर-दबोचा। फिजिकल थाना प्रभारी कृपाल सिंह राठौर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्वालियर तरफ से एक स्विफ्ट डिजायर कार एवं एक एच.एफ. डीलक्स मोटरसायकल से बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ स्मैक लेकर आ रहे हैं और करौंधी सेम्पवेल चौराहे पर आकर खपाने की फिराक में है। उक्त सूचना पर से थाना प्रभारी

फिजिकल द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी जिस पर से एसपी राजेश सिंह चंदेल एवं एएसपीप्रवीण कुमार भूरिया, एसडीओपी शिवपुरी दीपक सिंह तोमर के मार्गदर्शन में एक विशेष पुलिस टीम तैयार कर मुखबिर के बताए स्थान करौंधी सेम्पवेल पर रवाना की गई, जहां पहुंचकर पुलिस टीम द्वारा चैकिंग की गई, चैकिंग के दौरान मुखबिर के बताए नंबर की सफेद स्विफ्ट डिजायर कार एवं एक एच.एफ. डीलक्स मोटरसायकल खड़ी दिखी, जिनकी विधिवत तलाशी ली गई तो कार में बैठे तीन और बाइक पर बैठे दो व्यक्यिों के कब्जे से कुल 145 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक कीमत 1450000 रुपए की जब्त की गई, बाद पुलिस टीम द्वारा 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों ने अपना नाम गोरेलाल पुत्र रामरतन मीणा निवासी बारा राजस्थान, अमरसिंह मीणा निवासी बारा, देवसिंह बघेल चंदावनी नाका, जिला ग्वालियर, सोभरन अमरोल थाना चिनोद बताया। आरोपितों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

राजू ने दूसरी शादी कर ली, पहली ने करायी एफआईआर दर्ज

शिवपुरी।

खबर जिले के पिछोर अनुविभाग मायापुर थाना क्षेत्र की है। जहां ग्राम बघारी में निवासी एक महिला ने अपने ही पति पर दूसरी शादी करने का आरोप लगाया है। इस मामले की शिकायत पीडिता ने पुलिस थाना मायापुर में की। जहां पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में ले लिया है।जानकारी के अनुसार रेनू तोमर निवासी सैमर थाना बहादुरपुर जिला अशोकनगर की शादी मायापुर के बघारी गांव के निवासी राजू तोमर के साथ हुई थी। जिसके चलते दोनों साथ रह रहे थे। परंतु कुछ दिनों से दोनों में अनवन हो गई। इसी के चलते रेनू अपने मायके में रहने लगी। जिसपर से उसे सूचना मिली कि उसके पति ने दूसरी शादी कर ली है। इस सूचना पर वह अपने पति के गांव बघारी पहुंची और पति द्धारा दूसरी शादी करने पर आपत्ति जताई। रेनू का आरोप है कि बिना तलाक के दूसरी शादी कैसे कर ली। जिसपर से आरोपी पति ने रेनू की जमकर मारपीट कर दी। इस मामले की शिकायत पीडिता ने पुलिस थाना मायापुर में की। जहां पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में ले लिया है।

नया फरमान : अब सभी दुकानें, प्रतिष्ठान तथा निजी कार्यालय प्रातः 9 बजे से रात्रि 8 बजे तक ही खुल सकेंगे

जिला कलेक्टर ने नया संशोधित आदेश किया जारी, धारा 144 रहेगी लागू

शिवपुरी-कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अक्षय कुमार सिंह ने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत आवश्यक दिशा.निर्देश जारी किये हैं। जिसके तहत पूरे जिले में प्रत्येक रविवार को जनता कर्फ्यू रहेगा। जो शनिवार रात्रि 10 बजे से सोमवार प्रातः 06 बजे तक प्रभावी रहेगा। रविवार को कोरोना कर्फ्यू के दौरान जिले में संचालित पेट्रोल.पंपए दूध डेयरी खुली रहेंगी एवं गैस सिलेण्डरों की होम डिलेवरी की जा सकेगी। जारी आदेश के तहत सभी सामाजिक, राजनैतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक, धार्मिक.आयोजन मेले आदि जिनमें जनसमूह एकत्रित होता हैं प्रतिबंधित रहेंगे। स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक, प्रशिक्षण, कोचिंग संस्थान बंद रहेंगे। ऑनलाईन क्लासेस चल सकेंगी। सभी सिनेमा घर, स्वीमिंग पूल, थियेटर, पिकनिक स्पॉट, ऑडिटोरियम, सभागृह पूर्णतः बंद रहेंगे। संपूर्ण जिले में समस्त धार्मिक स्थल, पूजा स्थलों में एक समय में केवल 6 व्यक्ति ही उपस्थित रह सकेंगे। शेष धार्मिक आयोजन नहीं होंगे।

प्रतिबंध से मुक्त गतिविधियां

समस्त प्रकार की दुकानें, व्यावसायिक प्रतिष्ठान तथा निजी कार्यालय प्रातः 9 बजे से रात्रि 8 बजे तक खुल सकेंगे। शॉपिंग मॉल, जिम भी उक्त समय में खुल सकेंगे। जिम एवं फिटनेस सेंटर्स 50 प्रतिशत कैपेसिटी पर कोविड प्रोटोकॉल की शर्त का पालन करते हुए खुल सकेंगे। समस्त खेलकूद के स्टेडियम खुल सकेंगे किंतु खेल आयोजनों में दर्शक शामिल नहीं हो सकेंगे। समस्त रेस्टोरेंट एवं क्लब 50 प्रतिशत कैपेसिटी से रात्रि 10 बजे तक खुल सकेंगे। समस्त होटल एवं लॉज पूर्ण क्षमता अनुसार खुल सकेंगे। अधिकतम 10 लोगों के साथ शव.यात्रा, अंतिम संस्कार की अनुमति रहेगी तथा विवाह में दोनों पक्षों के मिलाकर अधिकतम 50 लोग आरटीपीसीआर कोविड रिपोर्ट नेगेटिव होने पर ही सम्मिलित हो सकेंगे। समस्त वृहद, मध्यम, लघु एवं सूक्ष्म उद्योग अपनी पूर्ण क्षमता पर कार्य कर सकेंगे तथा निर्माण गतिविधियां सतत चल सकेंगी। अंतराज्यीय तथा राज्यांतरिक माल एवं सर्विसेज का आवागमन निर्बाध रहेगा किंतु जिले के प्रवेश नाकों पर कोविड टेस्टिंग की जा सकेगी, जिन ग्रामों में कोविड.19 के एक्टिव केस पांच या पांच से अधिक हैं, उन्हें रेड ग्राम के रूप में चिन्हांकित किया गया है। रेड ग्रामों में तथा नगरीय क्षेत्रों के माइक्रो कंटेनमेंट जॉन में कोविड.19 संक्रमण के संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशा.निर्देशों के अनुसार ही गतिविधियां संचालित हो सकेंगी।

कोविड से बचाव एवं नियंत्रण में समाजसेवियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही: मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया

शिवपुरी।

कोविड महामारी से हम सभी प्रभावित हुए हैं। जिले में जब कोविड के केस बढ़ने लगे तब समाजसेवियों ने प्रशासन की टीम के साथ मिलकर बेहतर काम किया। सभी के सहयोग से ही कोविड के विरुद्ध जंग जीती है। इसमें समाजसेवियों ने भरपूर जन सहयोग किया। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने आभार व्यक्त करते हुए यह बात हुई कही।मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि जिला चिकित्सालय हो या मेडिकल कॉलेज प्रशासन की टीम के साथ जुड़कर वालंटियर ने अपना कर्तव्य निभाया है। सभी के सहयोग का ही परिणाम है कि आज जिले में कोविड की स्थिति नियंत्रण में है। हमें इसी प्रकार आगे भी जन जागरूकता के प्रयास करना है। अभी वैक्सीनेशन बहुत

महत्वपूर्ण है इसलिए सभी वैक्सीन के प्रति लोगों को जागरूक करें। कोविड से सुरक्षा के लिए वैक्सीन बहुत जरूरी है इसलिए अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित करें।इस अवसर पर कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल, वॉलिंटियर आलोक इंदौरिया, समीर गांधी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे जिन्होंने वालंटियर के रूप में जिला चिकित्सालय और मेडिकल कॉलेज में व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

कोरोना जांच में गंभीर लापरवाही, जिम्मेदार कौन? बीते 15 दिनों में 1000 से अधिक सेम्पल हुए रिजेक्ट

शिवपुरी।

जिला स्वास्थ्य विभाग शिवपुरी कोरोना जांच के प्रति कितना गंभीर है उसका ताजा उदाहरण आज आई कोरोना टेस्ट रिपोर्ट से सामने आया है।आज 526 आरटीपीसीआर सेम्पल की जांच रिपोर्ट का जो हवाला दिया गया है उसमें कोई भी पॉजिटिव नहीं आया है लेकिन चौकाने बाली बात यह है कि आज 526 में से 281 सेम्पल रिजेक्ट हुए है,अभी कुछ दिन पूर्व इतने ही सेम्पल की प्राप्त रिपोर्ट में 276 सेम्पल रिजेक्ट हुए थे।कुल मिलाकर पिछले 15 दिन की यदि बात की जाए तो 15 दिन में त?रीवन 1000 से अधिक सेम्पल रिजेक्ट हुए है।लगातार इतनी ब?ी संख्या में सेम्पल रिजेक्ट में शिवपुरी समूचे प्रदेश में अव्वल है,बाबजूद इसके 15 दिन से लगातार चल रहे इस सिलसिले में लगाम लगाने की सुध किसी ने नहीं ली है।जिन लोगो के सेम्पल रिजेक्ट श्रेणी में आते है उनमें से अधिकाँश स्वयं को निगेटिव मान लेते है।स्वास्थ्य महकमे की तरफ से भी रिजेक्ट हुए सेम्पल बालो से स्वयं पुनः सेम्पल के लिए सम्पर्क तक नही किया जाता।इतनी ब?ी लापरवाही जो बदस्तूर जारी है इसके खिलाफ न तो अभी तक किसी की जिम्मेदारी तय की गई और न किसी पर कोई कार्यवाही की गई और न ही यदि ऐसा संसाधन की कमी से हो रहा है तो उस ओर कोई ध्यान दिया गया।जिला प्रशासन को अब इस मामले में स्वयं हस्तक्षेप कर उचित निर्णय लेना चाहिए।

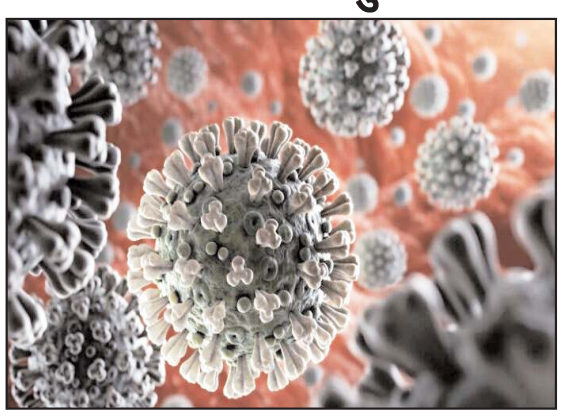

तेल ने निकाला तेल

देश में पेट्रोल 108 रुपए लीटर और डीजल 101 रुपए लीटर पर पहुंच गया है। देश के 6 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के सभी जिलों में पेट्रोल 100 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं बिहार, तेलंगाना, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, मणिपुर, उड़ीसा और लद्दाख में भी कई जगहों पर पेट्रोल 100 रुपए लीटर के पार निकल गया है। पेट्रोल-डीजल की

बढ़ती कीमतों और मैन्युफैक्चरिंग लागत बढऩे से थोक महंगाई दर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री के मुताबिक थोक महंगाई दर मई में 12.94 फीसदी पर पहुंच गई है। यह मई 2020 में -3.37 फीसदी रही थी। अब अमेरिकी अर्थव्यवस्था लगभग खुल चुकी है। इसके साथ ही यूरोपीय देशों में भी जीवन सामान्य हो रहा है। इससे पेट्रोलियम पदार्थों की मांग बढ़ रही है। यही वजह है कि इन दिनों कच्चे तेल की कीमतें चढ़ ही रही हैं। अमेरिकी बाजार में ब्रेंट क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। लॉकडाउन में पेट्रोल-डीजल से सरकार ने 2.35 लाख करोड़ रुपए कमाए हैं। जो 2019-20 की तुलना में करीब 6 फीसदी ज्यादा है। अब सरकार को अपनी इस कमाई से कुछ राहत जनता को भी देनी चाहिए, जो महंगाई से बेहाल है। पिछले कुछ समय से लगातार जिस तरह पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है, उसे देखते हुए यह आशंका पहले ही जताई जा रही थी कि इसका असर बाजार में मौजूद सभी जरूरत के सामान पर पड़ेगा। अब पेट्रोल और डीजल की कीमतें लोगों की पहुंच से धीरे-धीरे दूर होती जा रही हैं, बल्कि खाने-पीने के सामान की खरीदारी को लेकर भी बहुतों को सोचना पड़ रहा है। गौरतलब है कि कच्चे तेल और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में इजाफे की वजह से थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई की दर मई में बढ़ कर रिकार्ड उच्च स्तर 12.94 फीसद पर पहुंच गई। जबकि सिर्फ साल भर पहले मुद्रास्फीति शून्य से 3.37 फीसद नीचे थी। इसके साथ-साथ खाने-पीने के सामान की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं। खासतौर पर रोजमर्रा के खाने-पीने में उपयोग की सबसे जरूरी चीजों के दाम भी बेलगाम होते जा रहे हैं। सच यह है कि इस साल बीते कुछ महीनों से थोक और खुदरा महंगाई की रफ्तार में जिस तरह की तेजी आई है, उसने आम लोगों के माथे पर शिकन पैदा कर दी है। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति की दर दो फीसद की कमी या वृद्धि के साथ चार फीसद पर कायम रखने की जिम्मेदारी दी हुई है। यह व्यवस्था मुख्य रूप से देश की आबादी के उस हिस्से की फिक्र में है, जिसकी थाली पर बाजार भाव का सीधा असर पड़ता है। लेकिन ऐसा लगता है कि चार फीसद का यह आंकड़ा अब महज औपचारिक दस्तावेजों तक सिमट कर रह गया है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि खुदरा महंगाई दर मई में उछल कर 6.3 फीसद पर पहुंच गई। सवाल है कि जिस दौर में कम से कम रोजमर्रा की सबसे जरूरी चीजों की कीमतों को नियंत्रण में रखने की जरूरत है, वैसे में आखिर वे कौन-सी नीतियां लागू हो रही हैं, जिनमें महंगाई पर लगाम लगने के बजाय इसमें और ज्यादा इजाफा होता जा रहा है! एक ओर, पेट्रोल का दाम कई राज्यों में सौ रुपए प्रति लीटर से पार कर चुका है तो डीजल भी इसके करीब है।

एलोपैथिक बनाम आयुर्वेदिक एक निरर्थक बहस

रघु ठाकुर

कुछ दिनों से बाबा रामदेव बनाम एलोपैथिक डॉक्टरों का विवाद मीडिया में प्रमुखता से छप रहा है। इसे आयुर्वेद बनाम एलोपैथी का विवाद भी माना जा रहा है। क्योंकि आयुर्वेद भारत की एक प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। अत- बाबा रामदेव उसके न खोजकर्ता है और न उनका उस पर एकाधिकार है बल्कि केवल व्यापारी है। यहां तक कि आयुर्वेदिक दवा बनाने वाली पुरानी कंपनियों ने भी बाबा रामदेव की ज़बानी कुश्ती में कोई दिलचस्पी नहीं ली है। अभी तक झंडू, बैद्यनाथ, धूतपापेश्वर, डाबर जैसी पुरानी आयुर्वेदिक दवाओं को बनाने वाली व उसके बाजार को नियंत्रित करने वाली कम्पनियों में से एक भी कोई बाबा की हमजोली नहीं बनी है।

इस बहस से यही निष्कर्ष निकलता है कि दोनों तरफ से धंधे का विवाद है। बाबा की कोरोनिल किल हो गई तथा पिछले 25 मार्च 2021 तक एलोपैथी की दवाओं व इंजेक्शनों का व्यापार लगभग 5000 करोड़ का हो चुका है। और एलोपैथिक चिकित्सा करने वाले चिकित्सकों व निजी अस्पतालों का व्यवसाय तो लगभग 20 हज़ार करोड़ का हो चुका हैं, इसलिये, बाबा का परेशान होना स्वाभाविक है। क्योंकि बाबा की दुकान इस कोरोना महामारी के संदर्भ में लगभग बंद जैसी ही रही है। बाबा की कोरोनिल को लांच करने के बाद तथा विज्ञापनों में पैसा खर्च किये जाने के बाद भी केवल कोरोनिल को बाबा द्वारा केवल शक्तिवर्धक दवा कहना पड़ा। क्योंकि उसे आयुष विभाग से मान्यता एवं स्वीकृति नहीं मिली थी। तथा बगैर आयुष विभाग की स्वीकृति के कोई दवा बाजार में लांच करना एक गंभीर अपराध होता है।

बाबा के साथ सरकार भी खड़ी नहीं हुई। जबकि बाबा ने तो 2014 के चुनाव के समय नारी वस्त्र पहनकर भाग कर भी सरकार का साथ दिया था। शायद बाबा मोदी सरकार की इस अकृतज्ञता से भी दुखी व नाराज है। तथा अपना आक्रोश एलोपैथी चिकित्सा पद्धति व चिकित्सकों पर निकाल रहे हैं। हालांकि बाबा राजनैतिक व जातिगत गणित दोनों को साधते है। वे केन्द्र में संघ समर्पित भा.ज.पा. व कुछ राज्यों में जैसे उ.प्र., बिहार आदि में जातीय नेतृत्व का साथ देते रहे है। आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति भारत के मनीषियों की खोज है तथा इसका दर्शन व्यक्ति को निरोग बनाना बताया जाता है। कहा जाता है कि, एलोपैथी बीमार होने के बाद आंरभ होती है, पर आयुर्वेद व्यक्ति बीमार ही न पड़े यह उपाय करता है। आयुर्वेद दवाओं का निर्माण भी ज्यादातर भारतीय कंपनियों द्वारा हाता है, जबकि एलोपैथी की अधिकांश दवाओं का पेटेंट विदेशी कंपनियों के पास है क्योंकि वे उनकी खोज है। आयुर्वेद की दवाओं का पेटेंट सामान्य तौर पर संभव या न्यायसंगत नहीं है, क्योंकि यह खाज तो पूर्वजों ने की थी और अगर उसका पेटेंट हो तो वह समूचे देश के नाम होना चाहिये किसी व्यक्ति के नाम पर नहीं। पर दवा बनाने की प्रक्रिया को लेकर आयुर्वेदिक कंपनियों ने अपने पेटेंट दर्ज कराये है। एक और बड़ा फर्क है कि आयुर्वेदिक दवा व्यक्ति को स्वस्थ कर सके या न कर सके पर उसे दूसरी बीमारी नहीं देती, परंतु एलोपैथिक दवायें प्रतिक्रिया पैदा करती है याने एक रोग को मिटाती है पर साथ में अमूमन कोई दूसरा प्रभाव ऐसी बीमारी या समस्या को छोड़ती है कि फिर उसका भी इलाज कराना होता है।

आयुर्वेद, चूंकि निरोग बनाने की प्रणाली है अत- समय ज्यादा लेती है जबकि एलोपैथिक त्वरित हल देती है। जहां तक कीमतों में लूट का मुद्दा है तो दोनों पैथियों के नियंत्रक मरीज को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ते और इसलिये आयुर्वेद अभी तक आम आदमी या गरीब आदमी को न तो सुलभ है और न प्राथमिकता सरकार की नीतियां में। यद्यपि पिछले कुछ वर्षों में आयुर्वेद को तरजीह व स्थान तो मिला है, परंतु एलोपैथी के बराबर नहीं मिला। बीमारियों के बीमा में भी एलोपैथिक अस्पतालों व बीमारियों की ही प्रधानता है।

इस कोरोना काल में जितने भी अस्पताल देश की सभी दलों की सरकारों ने (केन्द्र से लेकर राज्यों तक) आयुष्मान योजना के अंतर्गत या कोविड के इलाज के लिये चिन्हित की है, उनमें अभी तक मेरी जानकारी में कोई भी आयुर्वेदिक अस्पताल का नाम तो नहीं है। यहां तक कि पतंजलि का भी शायद नहीं है। हो सकता है बाबा की पीड़ा का एक कारण यह भी हो। ऐसे समाचार भी अखबारों में छपते रहे है कि बाबा के आश्रम के रहवासी व नज़दीकी लोग भी एलोपैथिक दवाखानों में इलाज कराते रहे हैं। जैसे आचार्य बालकृष्ण के चित्र आजकल सोशल मीडिया पर दिख रहे है आदि-आदि।

मेरा अनुभव तो यह है कि कोरोना के इलाज के लिये अधिकांश लोगों ने एलोपैथी को ही विधा के रूप में चुना है। कम या ज्यादा जो भी परिणाम सामने आये है वे एलोपैथी के ही इलाज के हैं। साथ ही सहायक विधा के तौर पर आयुर्वेद का प्रयोग भी कुछ लोगों ने किया। जैसे काढ़ा कुछ राज्यों की सरकारों ने बाँटा। लोगों ने इसको घरों पर भी बनाकर नियमित सेवन किया। उससे गले की खरास व जुखाम को कुछ लाभ भी हुआ होगा। योग का प्रयोग भी ऑक्सीजन शरीर में ले जाने के लिये लगभग सभी ने किया है। एलोपैथिक चिकित्सकों ने भी और पहले भी कभी किसी विधा के विशेषज्ञों ने दूसरी विधा के प्रयोग को न रोका और न उसका विरोध किया।

मुझे याद है कि एम्स के कई डायरेक्टर जो देश के बड़े नाम वाले प्रसिद्ध चिकित्सक थे ने स्वत- भी कई बार व किन्हीं-किन्हीं मरीजों के लिये, होम्योपैथिक दवा का सुझाव नाम सहित दिया। बहुतेरे आयुर्वेदिक चिकित्सक भी हैं जो एलोपैथिक दवाओं का नाम व सुझाव बताते है। इसमें कोई आपत्ति बाबा को या किसी को भी नहीं होना चाहिये। दवा की दुकान वाला भी अनेकों बीमारियों की दवा अपने सामान्य ज्ञान व अनुभव से दे देता है, और अक्सर वे कारगर भी होती है। अगर दिमागी संकीर्णता दूर की जाये तो इन्टरपैथी के सामान्य व प्रचलित दवाओं के प्रयोग पर कोई आपत्ति भी नहीं होना चाहिये। अभी इस कोरोना काल में गाँव गाँव में आर.एम.सी. चिकित्सकों ने चिकत्सकों के अभाव को पूरा किया तथा बुखार आने पर फौरी तौर पर पैरासीटामोल आदि गोलियां मरीजों को दी। ताकि वे सुरक्षित बड़े चिकित्सालयों तक पहुंच सके तथा इससे उन्हें सामान्य बुखार में लाभ भी हुआ है। एलोपैथिक चिकित्सकों की संख्या देश में जरूरत से बहुत कम है, और उनमें से भी आधे से ज्यादा तो विभिन्न विशिष्ट विधाओं के ही होते है। और शेष में से अधिकांश शहरों में केन्द्रित है ग्रामों में जाने को तैयार भी नहीं है। इसलिये भी भारत जैसे विशाल देश में पैथियों को सीमित करना तार्किक नहीं है। हाँ एलोपैथी की उन दवाओं या तरीकों में जरूर सावधानी बरतना चाहिये जो अन्य नुकसान कर सकती है।

बाबा की त्रुटि एक तो यह है कि उन्होंने न केवल एलोपैथी को नकारा है और उस पर दोषारोपण किया है। आरोप लगाने में उन्होंने घटिया शब्दों का जैसे ÷मैं क्या भंडारा खा रहा था व झूठ का प्रयोग किया है। यह तथ्य है जबकि देश में 3 करोड़ के आसपास लोग कोरोना संक्रमित हुए हैं उनमें से अधिकांश ने दवा के रूप में एलोपैथी व प्राण वायु को बढ़ाने के लिये योग आदि का प्रयोग किया है। अगर बाबा ने आयुर्वेद से कोरोना का ईलाज किया है तो वे अपनी संख्या व मरीजों के नाम व पते बताये।

दरअसल बाबा वस्त्रों से बाबा हैं शरीर से योगाचार्य है और पतंजली के माध्यम से तथा स्वभाव से आयुर्वेद के बड़े थोक व्यापारी है। याने कपड़ों से बाबा, तन से योग गुरू व मन से मुनाफा और कारपोरेट बनने की उनकी चाह है तथा इन अंतरविरोधों से वह टकराते रहे हैं। दुनिया के 200 लाख करोड़ के दवा व्यापार में बाबा का हिस्सा नगण्य है, अत- गुस्सा स्वाभाविक है। बाबा ने तो यह भी झूठ बोला है कि हरिद्वार के कुंभ में 99 प्रतिशत टेंट खाली थे। केवल 1 प्रतिशत ही लोग थे, याने कोरोना के ग्रामीण क्षेत्रों में फैलाव से कुंभ का कोई संबंध नहीं है। इससे बड़ा कोई झूठ हो सकता है क्या? आज गाँव-गाँव में कोराना के संक्रमण फैलने में कुंभ का भी बहुत बड़ा योगदान है। बाबा भूल गये है कि स्वत- प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने तो श्री अवधेशानंद गिरी से बात कर कुंभ को शीघ्र व समय पूर्व स्थगित कराया था। अगर 99 प्रतिशत टेंट खाली थे तो फिर इतनी व्यवस्था क्यों की, क्यों कुंभ को पहले ही नहीं बढ़ा दिया?

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है? यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी।

नारी के लिए प्रेरणीय हैं वीरांगना लक्ष्मीबाई

डॉ. वंदना सेन

भारत भूमि की कोख से जन्मी अनेक नारियों ने राष्ट्र प्रेम की धारा को प्रवाहित कर आदर्श स्थापित किया है। ऐसी मातृशक्ति को आज भी हम वीरांगना के नाम से नमन कर गौरवान्वित होते हैं। वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मनोमस्तिष्क में स्वाभाविक रूप से रानी लक्ष्मीबाई की छवि उभरती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवन काल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुईं, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। वर्तमान युग में जहां हर कोई अपने आप तक केन्द्रित होता जा रहा है, उनके लिए वीरांगना लक्ष्मीबाई का जीवन एक ऐसा उदाहरण है, जो राष्ट्रीय भावना को संचारित करने में एक आदर्श बन सकता है। भारतीय नारी शक्ति को इस बात का अवश्य ही विचार करना चाहिए कि हमारे नायक कौन होने चाहिए? क्योंकि श्रेष्ठ नायक और नायिकाओं के माध्यम से ही श्रेष्ठ जीवन बनता है। आज हम जिस चमक दमक में नायकत्व को देखने का प्रयास करते हैं, वे वास्तव में भारत के नायक हैं ही नहीं। इसे सुनियोजित तरीके से भारत में इस रूप में प्रचारित किया गया है और इसी कारण समाज का बहुत बड़ा वर्ग भ्रम में जी रहा है।

कहा जाता है कि सच्चे वीर को कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से विमुख नहीं कर सकता। ऐसा ही रानी लक्ष्मीबाई का जीवन था। उसे अपने राज्य और राष्ट्र से एकात्म स्थापित करने वाला प्यार था। वीरांगना के मन में हमेशा यह बात कचोटती रही कि देश के दुश्मन अंग्रेजों को सबक सिखाया जाए। इसी कारण उन्होंने यह घोषणा की कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। इतिहास बताता है कि इस घोषणा के बाद रानी ने अंग्रेजों से युद्ध किया। वीरांगना लक्ष्मीबाई के मन में अंग्रेजों के प्रति किस कदर घृणा थी, वह इस बात से पता चल जाता है कि जब रानी का अंतिम समय आया, तब ग्वालियर की भूमि पर स्थित गंगादास की बड़ी शाला में रानी ने संतों से कहा कि कुछ ऐसा करो कि मेरा शरीर अंग्रेज न छू पाएं। इसके बाद रानी स्वर्ग सिधार गईं और बड़ी शाला में स्थित एक झोंपड़ी को चिता का रुप देकर रानी का अंतिम संस्कार कर दिया और अंग्रेज देखते ही रह गए। हालांकि इससे पूर्व रानी के समर्थन में बड़ी शाला के संतों ने अंग्रेजों से भीषण युद्ध किया, जिसमें 745 संतों का बलिदान भी हुआ, पूरी तरह सैनिकों की भांति अंग्रेजों से युद्ध करने वाले संतों ने रानी के शरीर की मरते दम तक रक्षा की।

जिन महापुरुषों और महान नायिकाओं का हृदय वीरोचित भाव से भरा होता है, उसका लक्ष्य सामाजिक और राष्ट्रीय उत्थान ही होता है। वह एक ऐसे आदर्श चरित्र को जीता है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसके साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। ऐसी ही थीं महारानी लक्ष्मीबाई। उनका जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। लक्ष्मीबाई अपने बाल्यकाल में मनु व मणिकर्णिका के नाम से जानी जाती थीं। सन् 1850 मात्र 15 वर्ष की आयु में झांसी के महाराजा गंगाधर राव से मणिकर्णिका का विवाह हुआ। एक वर्ष बाद ही उनको पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, लेकिन चार माह पश्चात ही उस बालक का निधन हो गया। राजा गंगाधर राव को तो इतना गहरा धक्का पहुंचा कि वे फिर स्वस्थ न हो सके और 21 नवंबर 1853 को चल बसे। यद्यपि महाराजा का निधन महारानी के लिए असहनीय था, लेकिन फिर भी वे घबराई नहीं, उन्होंने विवेक नहीं खोया। राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंग्रेज सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया। 27 फरवरी 1854 को लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तक पुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंग्रेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। यह सूचना पाते ही रानी के मुख से यह वाक्य प्रस्फुटित हो गया, मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। यहीं से भारत की प्रथम स्वाधीनता क्रांति का बीज प्रस्फुटित हुआ। रानी लक्ष्मीबाई ने सात दिन तक वीरतापूर्वक झांसी की सुरक्षा की और अंग्रेजों का बड़ी बहादुरी से मुकाबला किया। बहुत दिन तक युद्ध का क्रम इस प्रकार चलना असंभव था। सरदारों का आग्रह मानकर रानी ने कालपी प्रस्थान किया। वहां जाकर वे शांत नहीं बैठीं।

हल्दी घाटी का अभिमन्यु

सन 1526 में पानीपत के युद्ध में बाबर के विरुद्ध इब्राहिम लोदी के पक्ष में ग्वालियर के तोमर राजा मान सिंह के पुत्र विक्रमादित्य लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए उस समय उनके पुत्र राम सिंह तोमर लगभग 12 वर्ष के थेद्य बाद में ग्वालियर पर मुगलों का अधिकार हो गयाद्य राम सिंह तोमर ने जब जवानी में कदम रखा तो सैन्य संग्रह कर सन 1540 में चंबल के बीहड़ों से निकलकर ग्वालियर पर अधिकार की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिलीद्य चंबल क्षेत्र के राजपूतों को साथ लेकर सन 1558 तक अर्थात 18 वर्ष तक बार-बार ग्वालियर पर कब्जे का प्रयास किया लेकिन जब सफलता नहीं मिली तो अपनी स्वतंत्रता और स्वाभिमान, अपनी आन, बान और शान की रक्षा के लिए साथियों एवं परिवार सहित मेवाड़6 चित्तौड़गढ़8 चले गएद्य जहां मेवाड़ के महाराणा उदय सिंह ने उन्हें पूरा सम्मान दिया और उनके मुगलों के विरुद्ध लगातार 18 वर्ष के संघर्ष और उनकी वीरता देखते हुए उन्हें ÷÷ शाहों का शाह÷÷ की उपाधि से सम्मानित किया तभी से उन्हें÷ राम शाह ÷तोमर कहा जाने लगाद्य महाराणा ने उन्हें ग्वालियर के राजा से संबोधित किया और अंत तक इसी सम्मान का पात्र बनाए रखाद्य अपनी एक पुत्री अर्थात राणा प्रताप की बहन की शादी राम शाह के बड़े पुत्र शालीवाहन से कीद्य यह सारा घटनाक्रम विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक दुर्ग चित्तौड़गढ़ का है और इसी विश्व प्रसिद्ध दुर्ग पर हमारे नायक बलभद्र सिंह का जन्म हुआ थाद्य बालक बलभद्र के जन्म से जहां महाराणा उदय सिंह ÷÷ नाना÷÷ बने, महाराणा प्रताप ÷मामा÷ बने वही राम शाह तोमर को ÷दादा÷ बनने का सौभाग्य मिलाद्यद्य

राणा हमीर ,राणा सांगा और राणा कुंभा की कर्मभूमि पर बालक बलभद्र का जब बचपन बीता अतः वीरता और शौर्यता, साहस एवं निर्भीकता के गुण तो बचपन में ही झलकने लगे थेद्य अपने मामा राणा प्रताप के सानिध्य में किशोर अवस्था बीती तो उग्र स्वभाव एवं लड़ाकू प्रवृत्ति स्वत उजागर होती चली गईद्य 1567 में जब अकबर ने चित्तौड़ पर आक्रमण किया तब बालक बलभद्र को भी राणा परिवार एवं तोमर परिवार के साथ

उदयपुर की पहाड़यिों की और जाना पड़ाद्य चित्तौड़ में जो कुछ घटित हुआ और मुगल सेना द्वारा किए गए कत्लेआम और चित्तौड़ में हुए भीषण युद्ध और जोहर के समाचारों से बालक बलभद्र का मन आक्रोश एवं क्रोध से भर उठा और एक दिन अपने मामा प्रताप सिंह से कहा÷÷ मामोसा इस कत्लेआम का बदला मैं भी अपनी तलवार से जरूर लूंगा÷÷ तब मामा प्रताप ने उत्साहवर्धन करते हुए कहा÷÷ बलभद्र तुम्हारी इच्छा अवश्य पूरी होगी÷÷ और नियति ने मामा भांजे की इस वार्ता को अंजाम देने का समय बालक बलभद्र के किशोरावस्था में पहुंचते पहुंचते ही प्रदान कर दिया।

सन 1576 के प्रारंभ में ही जब बलभद्र को 16 वा वर्ष चल रहा था ऐसी परिस्थितियां बनने लगी जिससे लगा कि मेवाड़ के महाराणा प्रताप और मुगल बादशाह अकबर की फौज के बीच युद्ध अवश्यंभावी है, युद्ध की तैयारियां की जाने लगी, विचार विमर्श, रणनीति और अन्य पहलुओं पर चर्चा होने लगीद्य क्योंकि हर चर्चा में रामशह तोमर अवश्य उपस्थित रहते थे अतः उनके चर्चा से लौट कर आने के बाद बलभद्र अपने दादा से तरह तरह के प्रश्न करता और स्वयं भी युद्ध में जाने की जिद करता थाद्य अपने 16 वर्षीय पोते बलभद्र का ऐसा वीरता पूर्ण स्वभाव और साहस पूर्ण बातें सुनकर 60 वर्ष से अधिक की उम्र के दादा का सीना गर्व से तन जाता था और चेहरे पर तेज चमकने लगता था।

जून 1576 के प्रथम सप्ताह में जब मेवाड़ और मुगल सेना ने हल्दीघाटी के निकट अपना अपना पड़ाव डाल दिया था, तब एक दिन युद्ध की पोशाक धारण कर हाथ में तलवार लिए किशोर बलभद्र उस स्थान पर पहुंच गया जहां राणा प्रताप और राम शाह दोनों ही अकेले में कुछ मंत्रणा कर रहे थेद्य बलभद्र को उस स्थान पर देखकर दोनों योद्धा आश्चर्य से चौक गए लेकिन साथ ही किशोरावस्था के बलभद्र को सैनिक के वेश में देखते ही दोनों योद्धाओं का सिर गर्व से ऊंचा हो गया और दोनों के चेहरे पर एक ओजस्वी मुस्कान तैर गईद्य प्रताप इस रूप में अपने भांजे को देखकर खुश थे तो राम शाह अपने पोते को देखकरद्य बलभद्र द्वारा यह कहने पर कि ÷÷ दादा सा9 मामा सा मैं युद्ध में आपके साथ दुश्मनों से लडूंगा और मेरी जन्मभूमि चित्तौड़ पर जो कत्लेआम किया है उसका बदला ले कर मातृभूमि का कर्ज चुकाऊंगा÷÷ बलभद्र की दुस्साहस भरी हुंकार सुनकर दोनों योद्धाओं में एक और जहां उत्साह का संचार हुआ वहीं दूसरी ओर जन्म भूमि एवं मातृभूमि के लिए अपनी जान कुर्बान कर देने की राजपूती भावना पर मस्तक गर्व से ऊंचा हो गया।

18 जून 1576 को आखिर युद्ध का बिगुल बज गया और अपने पिता शालिवाहन दोनों काका भवानी सिंह और प्रताप सिंह के साथ चंबल क्षेत्र से युद्ध में भाग लेने आए सैकड़ों तोमर, भदोरिया, सिकरवार, जादौन एवं परमार राजपूतों और किशोर बलभद्र के साथ राजपूतों का यह दल राम शाह के नेतृत्व में मेवाड़ी सेना के दाएं भाग की कमाल संभालते हुए मुगलों के बाएं भाग पर टूट पड़ाद्य राम शाह के दल के हमले को मुगल सह नहीं सके और मुगल सेना के बाएं भाग में लड़ रहे बरहा के सैयद पीछे हटते हुए खुले मैदान में पहुंच गएद्य राम शाह का दल पीछा करता हुआ चला आ रहा था और मेवाड़ की सेना के प्रधान सेनापति राणा प्रताप भी अपने दल के साथ इसी मैदान में आ पहुंचे जिसे आज÷÷ रक्त ताल÷÷ कहां जाता हैद्य यहां भीषण युद्ध हुआ और राम शाह तोमर अपने तीनों पुत्र एवं विश्वस्त सहयोगियो दाऊ सिंह सिकरवार, बाबू सिंह भदोरिया, के साथ सैकड़ों राजपूतों सहित शहीद हुएद्य इतिहासकार अब्दुल बदायूनी जो अकबर की ओर से युद्ध भूमि में उपस्थित था ने सबसे कम उम्र के किशोर बलभद्र को बिजली की तरह तलवार चलाते देखकर दांतो तले उंगली दबा ली और उसके मुंह से निकला ÷÷ या खुदा रहम कर÷÷ बलभद्र का युद्ध कौशल, तलवार चलाने की चपलता और स्फूर्ति ने इस युद्ध में भाग ले रहे जवानों और अधेड़ उम्र के सैनिकों में भी नए जोश और उत्साह का संचार किया।

बचपन से ही वीरता और शौर्यता के गुण पाले अपने मामा और दादा की देखरेख में शस्त्र संचालन सीखने वाले स्वस्थ, सुंदर और किशोर वय के इस वीर पर मां द्वारा युद्ध भूमि में जाने से पूर्व मस्तक पर लगाया रोली चंदन का तिलक ऐसा जच रहा था कि लेखनी से उसका वर्णन करना असंभव हैद्य मां और दादी के साथ ही महाराणा परिवार और तोमर परिवार के लाडले ने भी अपने पिता दोनों काका और दादा के साथ इसी रक्त ताल में शहादत पाई और इस युद्ध में शहीद होने वाला यह वीर शायद दोनों पक्षों की सेनाओं में सबसे कम उम्र का भी था कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

युद्ध क्षेत्र में उस समय के मंजर की कल्पना करके ही दिल सिहर उठता है क्या बीत रही होगी रामशाह तोमर पर जिनके एक नहीं तीन-तीन पुत्र रणभूमि में मौत से जूझ रहे थे, साथ ही किशोरावस्था का एक पोता जिसके अभी दाढ़ी मूछ भी नहीं आई थी शहादत की दहलीज पर खड़ा था, क्या बीत रही होगी शालीवाहन पर जिसका पिता दो भाई और एक बेटा उन्हीं के सामने शहादत की कगार पर थेद्य बिजली की गति से तलवार चला कर दुश्मन का मान मर्दन करते हुए सोच रहा था बलभद्र ÷÷ कितना खुश किस्मत हूं मैं अपने दादा, अपने पिता और अपने दोनों काका के साथ मातृभूमि के लिए शहीद होकर मैं मां जगदंबा के चरणों में सबके साथ रह सकूंगा।

जब युद्ध समाप्त हुआ तब पता चला रामशाह उनके तीनों पुत्र और उनका लाडला पोता युद्ध में शहीद हो चुके थे एक दूसरे की वीरता पूर्ण शहादत के लिए शोक प्रकट करने या श्रद्धांजलि देने के लिए उनमें से कोई नहीं बचा थाद्य तोमर वंश के राजपूतों की इस ऐतिहासिक बलिदान की याद में सन 1624 में मेवाड़ के महाराणा करण सिंह ने शिलालेख लगवाया और दो छतरियां बनवाई जो आज भी÷÷ रक्त ताल÷÷ मैं तोमर वंश के इन वीरों की शहादत और बलिदान की याद दिलाती हैद्य महाभारत के युद्ध के बाद लड़े गए युद्ध में वैसे तो कई वीरो ने बलभद्र से कम उम्र में भाग लिया है लेकिन उनमें से युद्ध भूमि में बलिदान शायद बलभद्र ही हुआ हैद्य इसीलिए हल्दीघाटी के इस ऐतिहासिक युद्ध के वीर नायक को हम ÷÷ हल्दीघाटी का अभिमन्यु÷÷ कह कर संबोधित करेंगे तो यह उनके बलिदान को दिया जाने वाला सही सम्मान होगा और हल्दी घाटी के इस अभिमन्यु को सही मायने में दिल को छू लेने वाली श्रद्धांजलि होगी।

चंबल क्षेत्र में रहने वाले तोमर वंश के इस युवक ने मेवाड़ की धरा पर जन्म लिया और मेवाड़ की धरा पर शहीद होकर जन्म भूमि एवं मातृभूमि का ऋण अदा कर दियाद्य इस देश के इतिहास में ऐसा उदाहरण शायद ही कोई दूसरा मिलेद्य धन्य है यह क्षत्रिय जाति धन्य है यह मेवाड़ धरा और धन्य है तोमर धार के तोमर वंश के ग्वालियर के अंतिम राजा राम शाह तोमर के पोते बलभद्र का यह बलिदान।

गोपाल सिंह राठौड़ एडवोकेट एवं पूर्व प्राचार्य
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा

जनपद मुख्यालय कराहल में मचा पानी को लेकर हाहाकार

बोखलाए सरपंच ने पत्रकार से की बदतमीजी

पत्रकार के साथ बदतमीजी करने वाले सरपंच के खिलाफ प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ सौपेगा ज्ञापन

ब्यूरो विनोद पाठक ब्यूरो पुष्पांजली टुडे।

श्योपुर - कराहल। कराहल जनपद की ग्राम पंचायत कराहाल में व्याप्त भृष्टाचार की खबर समाचारो पत्रों में आये दिन छपती रहती है।देखा जाए तो जनपद मुख्यालय होने के बाद भी कराहाल में भृष्टाचार होना अचरज का विषय है।जहा नल जल योजना में विगत कई वर्षो से कभी बोर खनन को लेकर तो कभी बोर में पाइप लाइन को लेकर समाचार पत्रों में खबरे प्रकाशित होती रही है।मगर इसके बावजूद नल जल योजना को लेकर स्थायी समाधान पंचायत द्वारा आज तक नही किया गया यही कारण रहे जहा कराहाल पंचायत में आज भी पीने के पानी को लेकर हाहाकार मचा है।जहा ग्राम पंचायत के सूखा खारवा बस्ती,अचार वाला सहराना, गुर्जर बस्ती में लोग निजी बोर से पैसा देकर पानी खरीदने को मजबूर बने हुए है।इतना ही नही पीने के पानी को लेकर लगी लम्बी लाइन के चलते लोगो को रात रात भर जाग कर पानी भरना प?ा रहा है।

जबकि जनपद मुख्यालय की पंचायत होने के बाद भी कराहाल ग्राम पंचायत में लोग मूलभूत सुविधाओं को लेकर परेशान बने हुए है ऐसे में जनपद कराहाल की अन्य ग्राम पंचायतों में क्या हाल होगा यह जनपद मुख्यालय की ग्राम पंचायत कराहाल के विकाश को देख कर लगाया जा सकता है। जहा जनपद मुख्यालय की ग्राम पंचायत कराहाल में विकाश के नाम पर कैसा विनाश किया गया है यह सरपंच से पूछे गए सवालों के जवाब से स्पष्ट हो जाता है जहा विकाश को लेकर मीडिया द्वारा बंजारा बस्ती में लगे हैंडपम्प में मोटर डाले जाने को लेकर जब कराहाल सरपंच से प्रशन किया गया तो मीडिया से बदतमीजी से पेश आते हुए सरपंच ने बोला कि तुमने हैंडपम्प में घुस कर देखा है कि उसमें पानी है।वही कहा कि जो हमारे पास आते है उनकी समस्या का समाधान कर देते है तुम्हारे पास आने वालों की तुम जानो ऐसे में जनसेवा का कार्य कर जनमानस की समस्या से प्रशासन को अवगत कराने वाले पत्रकार के साथ बदतमीजी करने वाले सरपंच के विरुद्ध प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ द्वारा श्योपुर कलेक्टर ओर एसपी को ज्ञापन सोप कर न्याय की मांग की जाएगी।

नगर की समस्याओं को लेकर महिला समिति करेगी आंदोलन

महेंद्र शर्मा, पुष्पांजली टुडे, गोहद। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष गुड्डी बाई माहौर महिला समिति गोहद की सचिव शोभा माहौर के नेतृत्व में गोहद नगर की समस्याओं को लेकर आंदोलन करने का फैसला लिया है बीते 13 तारीख को महिला समिति की हुई मीटिंग में नगर की तमाम समस्याओं को लेकर चर्चा की गई और तमाम बिंदुओं को लेकर महिला समिति द्वारा आज गोहद नगर पालिका पहुंचकर सीएमओ की अनुपस्थिति में बड़े बाबू बनवारी शरण गुप्ता को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें तीन दिवस का समय दिया गया है अगर समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो आने वाले 25 जून को नगरपालिका के खिलाफ महिला समिति द्वारा जोरदार आंदोलन किया जाएगा इस रोज महिलाएं एकत्रित होकर सभाएं करेंगे रैली निकालकर नगर पालिका का पुतला दहन कर आंदोलन को तेज करेंगी महिला समिति व्दारा सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है की कर्मकार के जमा किए गए आवेदन अनुसार श्रमिक कार्ड बनाए जावे गरीब कल्याण योजना के तहत अस्थाई खाद्यान पर्चियां वितरित की जावे वार्ड नंबर 1 सहित अन्य वार्डों में बिछाई गई पाइप लाइन को जोड़कर पानी सप्लाई का काम कराया जावे कामगार महिलाओं का पंजीयन किया जाकर उनको लाभ दिया जावे प्रत्येक गली एवं मोहल्ले में नियमित टैंकर से पानी सप्लाई किया जावे लापरवाही करने पर उनके खिलाफ कार्यवाही की जावे हाट बाजार वसूली का ठेका निरस्त कर कर्मचारियों से वसूली कराई जावे गली बस्तियों में नियमित साफ-सफाई कराई जावे खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कर उन्हें चालू हालत में कराया जावे महिला समिति ने तय किया है एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को दिया जावेगा जिसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशन 2000 प्रतिमाह किए जाने प्रत्येक व्यक्ति को कोरोना कर्फ्यू के दौरान भरपाई हेत साडे ?7000 प्रतिमाह भुगतान करने सभी टैक्स माफ करने बिजली बिल माफ करने की मांग की जावेगी समस्याओं के समाधान ना होने पर महिला समिति अपने आंदोलन को तेज करेगी अगर आंदोलन के दौरान कोई घटना घटती है तो उसके लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा।

रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट ने कोरोना जांच कार्य में दिया सहयोग

पुष्पांजली टुडे, मैसूरू। जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और मैसूर शहर कॉर्पोरेशन के सहयोग से कृष्णराज विधान सभा क्षेत्र में कोरोना परीक्षण और टीकाकरण कार्यक्रम विधायक एस.ए.रामदास के नेतृत्व में दो दिवसीय कार्यक्रम में कई संस्थाओं ने आगे आकर अपना सहयोग दिया। इसी कार्य में रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट ने भी अपने 20 सदस्यों को 10 केंद्रों पर इस अभियान में नियुक्त किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष देवेन्द्र परिहारिया ने कहा हमारे ट्रस्ट के सदस्य समाज सेवा हेतु हमेशा तैयार रहते है। विधायक महोदय के आव्हान पर सदस्य तत्पर निस्वार्थ सेवा कार्य हेतु आगे आकर सहयोग दिया। अभियान में देवेन्द्र परिहारिया, पारसराम बोराणा, कैलाश राठौड़, हरीश हेगड़े सहित कई सदस्य ने भाग लिया।

घर से लापता हुई एक 17 वर्षीय बालिका को देहात थाना महिला पुलिस को किया सुपुर्द

विनोद पाठक ब्यूरो

पुष्पांजली टुडे। श्योपुर- जाट खे?ा हनुमान मंदिर के पास एक 17 वर्ष की बालिका दिखाई दी जिसकी दिमागी स्थिति ठीक नही थी वह किसी कारण से अपने परिवार से बिछ? गयी और अकेली घूमती हुई दिखाई दी ल?की वहाँ के निवासी को दिखाई दी जब उन्हें लगा कि ये अपना घर भूल गयी है तो उन्होंने तुंरत वहां से गुजर रहे संगठन के कार्यकर्ता को सूचना दी और सूचना मिलते ही संगठन के अन्य कार्यकर्ता भी वहाँ पहुँचे

जहां ल?की से बहुत देर तक पूछ ताछ करने पर पता चला कि वह मलपुरा ग्राम की हरिविलास सुमन की पुत्री है जिसकी संतुष्टि संगठन के जिलाध्यक्ष ने अपने गाँव एक परिचित से की उसके बाद पुलिस को सूचना दी और देहात घाना स्थित महिला पुलिस को सुपुर्द किया जहां आवश्यक कार्यवाही कर पुलिस ने उसे उसके परिवार पहुचाने को कहा इस पुनीत कार्य मे संगठन के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा,दीनदयाल शर्मा,महावीर शर्मा,,अमन शर्मा,अनिल शिवहरे,अर्पित गुप्ता,हरिओम शिवहरे,सागर सेन,पदम् सोनी,आदि का पूर्ण सहयोग रहा संगठन सदैव समाज के क्षेत्र व पुनीत कार्यों में सदैव अग्रणी है।

बालाघाट जिले वासियों एवं फिल्म प्रेमियों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक एवं गौरव का दिन : तपेश कालबेले

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे । बालाघाट जिले में फिल्म अभिनेत्री विद्या बालन द्वारा अभिनीत फिल्म शेरनी की शूटिंग पिछले वर्ष की गई थी, जिसमें जिले के कलाकारों को भी अभिनय करने का मौका मिला था।यह फिल्म आज रिलीज हो रही है इसका बालाघाट जिले की जनता एवं फिल्म प्रेमियों को बेसब्री से इंतजार था। इस बारे में सामाजिक कार्यकर्ता तपेश कालबेले ने कहा कि बालाघाट का नाम आज पूरे विश्व में इस फिल्म के माध्यम से प्रसिद्ध हुआ है, जो कि जिले वासियों के लिए गौरव की बात है?। विद्या बालन की अभिनीत फिल्म शेरनी की शूटिंग बालाघाट जिले में 29 अक्टूबर 2020 से 19 नवंबर 2020 तक हुई थी। इसके लिए बालाघाट जिले के विभिन्न क्षेत्रों बालाघाट के रेंजर कॉलेज, पीजी कॉलेज मलाजखंड, चंद्र कुआं गांव मे भी कुछ सीन शूट किए गए हैं इसके साथ ही पायली बीट के मंझारा , लौगुर वन परिक्षेत्र के मयूर बिंदु और खारा के सागौन के घने जंगलों में सुट किया गया है। साथ ही इस फिल्म को मध्य प्रदेश के वास्तविक व मनोहरी जंगलों , कान्हा नेशनल पार्क और रायसेन के भूत पलासी में भी शूट किया गया है यह फिल्म महिलाओं की चुनौतियों को दर्शाती हुई फिल्म है इस फिल्म के माध्यम से हमारे बालाघाट जैसे सुंदर शहर को पूरे विश्व में प्रसिद्ध होने का एक शानदार मौका मिला है।

महेन्द्रसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में जरूरंतमदो को खाध्य सामग्री कीट का वितरण कीया

पुष्पांजली टुडे टी नरसीपुरा।

कोराना की तिसरी लहर के सक्रमंण से बचाव के लिए महेन्द्र सिंह के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी जान-जोखिम में डालकर सेवा देने वाले महेन्द्र सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में टी नरसीपुरा अंम्बेडकर भवन में जरूरंतमदो को खाध्य सामग्री व सैनेटाईजर मास्क का वितरण किया इस मोके पर पुलिस अधिकारी सर्कल इंस्पेक्टर कृरिसनापा पुर्व नगर राजपुरोहित ने जरूरंतमदो को खाद्य सामग्री किट वितरण करते समय लोगो को जागरूक किया और कोरोना संक्रमण की बढ़ती महामारी पालिका रूपा परमेश्वर,महादेव,रेवाणा,बसराज समाजसेवी महेन्द्र सिंह, सहित कई जने मोजूद थे ।

पेटेंट मुक्त वैक्सीन की मांग को लेकर 20 जून विश्व जागृति दिवस के अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच करेगा संपूर्ण देश में प्रदर्शन

गोहद (महेंद्र शर्मा)

स्वदेशी जागरण मंच पेटेंट फ्री वैक्सीन की मांग को लेकर 20 जून को विश्व जागृति दिवस के अवसर पर देश के समस्त 748 जिलों में प्रदर्शन करेगा

संपूर्ण विश्व को कोविड महामारी से सुरक्षित बचाने के लिए संपूर्ण विश्व में सर्व संभव टीका करण के माध्यम से संपूर्ण देश को वैक्सीनेट करने के लिए सर्व साधारण के लिए कोविड वैक्सीन होना आवश्यक है और यह तभी संभव है जब विश्व स्तर पर कोबिट वैक्सीन को पेटेंट से मुक्त कराया जा सके इस उद्देश्य की पूर्णता हेतु स्वदेशी जागरण मंच द्वारा न केवल अखिल भारतीय स्तर अपितु तो वैश्विक स्तर पर हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से याचिका दायर की जा रही है

ताकि विश्व के 860 करोड नागरिकों की सुरक्षा हेतु वैक्सीनेशन किया जा सके संपूर्ण विश्व को महामारी से रोकने के लिए वैक्सीनेशन ही एकमात्र उपाय है वर्तमान संदर्भ में वैक्सीन निर्माण हेतु कुछ ही कंपनियां अधिकृत हैं और विश्व के गिने-चुने देश पेटेंट के माध्यम से एकाधिकार किए हुए हैं

यह मानवता के प्रति अपराध है क्योंकि महामारी को रोकना और मानवता को जीवन प्रदान करना मानवता का अधिकार है जब तक वैक्सीनेशन नहीं होता है तब तक महामारी दूर नहीं की जा सकती समस्त मानवता की सुरक्षा के लिए वैक्सीनेशन होना आवश्यक है और यह तभी संभव है जब संपूर्ण विश्व में निर्मित होने वाली वैक्सीन को पेटेंट से मुक्त किया जाए

ताकि अधिक से अधिक कंपनियां वैक्सीन का निर्माण करके यथासंभव योगदान देकर मानवता का हित कर सकें

स्वदेशी जागरण मंच ने मानवता की रक्षा के लिए कोरोना वैक्सीन को पेटेंट मुक्त कराने हेतु आंदोलन छेड़ा है

और इस आंदोलन के माध्यम से विश्व का ध्यान आकर्षित करने के लिए 20 जून को विश्व जागृति दिवस के अवसर पर विश्व के संपूर्ण 100 देशों के साथ साथ भारत के 748 जिलों में एक साथ प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है

भारत में यह प्रदर्शन सर्वत्र संपूर्ण देश में एक साथ 11-00 बजे किया जाएगा

संपूर्ण विश्व के लोगों में एक साथ जागृति आए और वह एक साथ पेटेंट मुक्त वैक्सीन की मांग विश्व समुदाय से करते हुए मानवता का हित संवर्धन कर सकें

इस कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ता वैक्सीनेशन हमारा अधिकार कोविड मुक्त भारत पेटेंट मुक्त वैक्सीन जैसे नारों की तख्तियां लेकर बाजार चौराहों पर एकत्रित रहेंगे और अधिक से अधिक लोगों को संदेश प्रेषित करेंगे भिंड जिले में इस प्रदर्शन का नेतृत्व स्वदेशी जागरण मंच के विभाग संयोजक आचार्य बृज मोहन शर्मा के नेतृत्व में किया जाएगा

जिसमें स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक संयोजक तहसील संयोजक नगर संयोजक एवं समस्त कार्यकर्ता एवं विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित होकर कोविड-19 नियमों का पालन करते हुए सहभागिता करेंगे।

बीजेपी विधायक के 15 सालों के राज में ऐसा हाल,नाव और खाट के भरोसे मरीजों की जान

कटनी (अर्पित गुप्ता)।

आज पूरी दुनिया आसमान में उड़ान भर रही है। लेकिन भारत में आज भी कई ऐसे गांव और कस्बे हैं, जहां जमीन पर चलने के लिए सड़क तक नहीं है। प्रदेश की सरकार लगातार यह दावा करती है कि विकास की गंगा हर गांव, गली और कूचे-कस्बे तक बह रही है। लेकिन धरातल स्तर पर प्रदेश के कई शहरों से ऐसी तस्वीरें निकल कर हमारे सामने आ जाती हैं, जो मुख्यमंत्री के दावों पर सवाल ख?ी करती नजर आती है। कुछ ऐसी ही तस्वीर मध्यप्रदेश के कटनी जिले से निकलकर सामने आई है, जो विकास के तमाम दावों को सिरे से खारिज कर रही है।

हम बात कर रहे हैं कटनी जिले के विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र की। सड़क नहीं होने की वजह से एंबुलेंस या गाड़ियां गांव तक नहीं पहुंच पाती जिसकी वजह से किसी की तबियत खराब होने पर उसे कंधे पर लादकर अस्पताल पहुंचाना पड़ता है। पिछले 15 साल से संजय सत्येन्द्र पाठक यहां के विधायक हैं वे शिवराज कैबिनेट में लघु एवं सूक्ष्म उद्योग मंत्री भी रह चुके हैं। सत्तारुढ़ दल का विधायक होने के बावजूद यहां अब भी ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में गुजारा करना पड़ रहा है।

15 सालों में कहां हुआ विकास?

खास बात तो यह है कि इसी विधानसभा सीट से विधायक के पिता सत्येन्द्र पाठक भी विधायक और कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं, लेकिन विकास के नाम पर अपने विधानसभा क्षेत्र में वे भी सड़कें तक नहीं बनवा पाए।

जिसकी वजह से इलाके के लोगों को खासी परेशानी का सामना करना प? रहा है। विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कई ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं, जो इस बात का सबूत है कि क्षेत्र के विधायक ने पिछले पंद्रह साल में अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए कितना कुछ किया है।

खाट के सहारे मरीजों की जिंदगी

गांव में सड़क ना होने के चलते मरीजों को खाट के सहारे कंधे पर लादकर अस्पताल पहुंचाया जाता है। हैरत तो इस बात की है कि इसकी जानकारी विधायक और जिला प्रशासन को भी है, लेकिन फिर भी वे हाथ पर हाथ धरकर बैठे हुए हैं। कई ऐसे मरीजों को भी इसी तरह से खाट के सहारे लेकर जाया जाता है, जो रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। गांववालों के लिए अब यह आम बात हो चुकी है। अपनी बेबसी को उन्होंने अपनी किस्मत समझ लिया है।

किसी से छिपे नहीं हैं हालात

ग्रामीणों से जब हमने बात की तो उन्होंने बताया कि इसके लिए वे विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक से कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अभी तक उनकी किसी ने नहीं सुनी। चुनाव आते हैं, मंत्री जी वादा करते हैं और चुनाव खत्म होते ही भूल जाते हैं।

सड़क नहीं तो नाव के सहारे चल रहा जीवन

वहीं इस गांव से एक और तस्वीर निकलकर सामने आई है। जहां सड़क ना होने की वजह से ग्रामीणों को नाव की मदद से नदी पार करनी पड़ती है। यहां तक की अगर किसी की गांव में मौत भी हो जाती है तो शव को नदी पार पहुंचाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। मामला बिजरावगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बरही नगर के खेरवा गांव का है।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही कई तोड़ चुके हैं दम

ग्रामीणों ने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि एक बार चंदन नाम के युवक को सांप ने काट लिया। जिसके बाद आनन-फानन में चंदन को नाव के जरिए बरही अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो गई और युवक के शरीर में जहर पूरी तरह से फैल गया, जिसके बाद उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि इस गांव के लोग दो बार विधानसभा चुनावों का बहिष्कार भी कर चुके हैं। मांग की गई थी कि सड़क नहीं तो वोट नहीं। लेकिन फिर भी इनकी तरफ किसी ने ध्यान नहीं दिया और अब भी जीवन नाव के सहारे ही चल रहा है।

अखिल भारतीय मारबाड़ी महिला सम्मेलन महू शाखा द्वारा वाक प्रतियोगिता योगा पर सम्पन्न

इंदौर (अर्पित गुप्ता)। अखिल भारतीय मारवाडी महिला सम्मेलन शाखा महू द्वारा दिनांक 16 जून 2021 को जनजागरण प्रकल्प अंतर्गत प्रतियोगिता रखी गई थी जिसमे 2 मिनट वाक प्रतियोगिता जिसका विषय था जागरूक कैसे बनें अब लोग ताकि घर-घर में करें सब योग हमारी शाखा महू से बहनो ने बढ-चढ कर हिस्सा लिया। जूम मीटिंग पर 3-00 से 4-10 बजे तक चला कार्यक्रम का प्रारंभ ऊँ का उच्चारण,प्रार्थना हमको मन की शक्ति देना।अतिथि स्वागत अन्य पधारी सदस्य बहनो का स्वागत करते हुये कार्यक्रम को गति प्रदान की।सभी ने 2-2 मिनिट में अपने विचार बहुत ही अतिसुंदर तरीके से रखे और शानदार लाजवाब बोला।शाखा की अन्य वरिष्ठ बहनों ने भी अपने-अपने विचार योगा पर बताएं।कार्यक्रम में हमारे साथ प्रान्त से श्रीमती सरिता खंडेलवाल जी,श्रीमती करुणा लोहारिया जी और शाखा की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती शकुंतला डोली,श्रीमती शीला बंसल, श्रीमती पदमा सोडाणी, कोषाध्यक्ष भावना रुनवाल आदि बहने उपस्थित थी।इसके बाद प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम बताएं प्रथम रही श्रीमती राजकुमारी चौरसिया दूसरे स्थान पर रही श्रीमती उमा गोयल प्रोत्साहन पुरस्कार श्रीमती शकुंतला विजयवर्गीय और श्रीमती रेणुका अग्रवाल और साथ में वट वृक्ष के महत्व प्रतियोगिता के भी विजेताओं के नाम बताएं प्रथम संस्थान श्रीमती अंजना बाहेती,दूसरे स्थान पर रहीं श्रीमती उमा गोयल,तीसरे स्थान पर रही श्रीमती करुणा लोहारिया जी और श्रीमती सविता अग्रवाल। इस कार्यक्रम का संचालन सचिव श्रीमती राजकुमार में अग्रवाल द्वारा किया गया और अध्यक्ष किरण गोयल ने कार्यक्रम का समापन किया।उसके बाद 4-15 से 5- 15 तक व्हाट्सएप पर तंबोला खेला।

भारत- न्यूजीलैंड के बीच पहला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल आज से

साउथम्पटन (ए)। पहले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल मुकाबले में शुक्रवार को विराट कोहली की भारतीय टीम का सामना केन विलियमसन की न्यूजीलैंड टीम से होगा। इस मुकाबले पर भारत सहित दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। दोनो ही टीमें इस मुकाबले को जीतकर यह पहला आईसीसी टेस्ट खिताब अपने नाम करना चाहेंगी। इस मैच में दोनो ही टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देंगी। इस मुकाबले से नीरस हो रहे टेस्ट क्रिकेट की ओर फिर से दर्शकों को खींचने का प्रयास भी होगा। इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों में खेल के इस लंबे प्रारुप के प्रति फिर से रुझान पैदा होगा।

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली इस मैच को जीतने के साथ ही अपना पहला आईसीसी खिताब जीतना चाहेंगे। सबसे सफल भारतीय टेस्ट कप्तान होने के बाद भी वह टीम को अब तक आइसीसी खिताब नहीं जीत पाये हैं। भारतीय टीम के पास इस समय शानदार बल्लेबाज और अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। वहीं दूसरी ओर विलियमसन के पास भी शानदार तेज गेंदबाज हैं हालांकि उसकी बल्लेबाजी भारत से कमजोर है पर हाल में मेजबान इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज में मिली जीत से उसके हौंसले बुलंद है। टीम के पास ट्रेंट बोल्ट और टिम साउदी जैसी खतरनाक तेज गेंदबाज जो इस मैच में अंतर पैदा कर सकते हैं। टीम के पास कप्तान विलियमसन के अलावा, मैट हैनरी और युवा सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे है। कॉनवे ने अपने पदार्पण टेस्ट में ही दोहरा शतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। ऐसे में कीवी टीम की जीत का दावा भी कमजोर नहीं माना जा सकता है। इस मुकाबले में विजेता टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप गदा के साथ ही 16 लाख डॉलर ईनामी राशि मिलेगा। टीम में ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो विश्व कप नहीं जीत सके और उनके लिये यह फाइनल विश्व कप से कम नहीं होगा।

भारतीय टीम के पास कप्तान विराट कोहली, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा और आजिंक्य रहाणे जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं स्पिनर आर अश्विन इस मैच में अहम भूमिका निभा सकते हैं। ऑलराउंडर रविन्द्र जडेज भी गेंद ओर बल्ले से बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। भारतीय टीम के सबसे अनुभवी टेस्ट क्रिकेटर ईशांत शर्मा विश्व चैम्पियनशिप जीतने को बेताब रहेंगे। आंकड़ों में दोनों टीमें बराबरी की लग रही है लेकिन सीम और स्विंग के हालातों में कीवी गेंदबाज ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं। हाल में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में यह साबित हुआ है। कीवी गेंदबाजों के सामने मेजबान टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी थी।

नैनो न्यूज

बीसीसीआई ने जेकेसीए का रोजमर्रा का कामकाज देखने के लिए उप-समिति गठित की

मुंबई (ए)। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) का रोजमर्रा का कामकाज देखने के लिए तीन सदस्यीय उप-समिति गठित की हैं। जिसमें पूर्व रणजी क्रिकेटर मिथुन मन्हास शामिल हैं।दिल्ली और जम्मू कश्मीर टीम के पूर्व कप्तान मन्हास के अलावा उप-समिति के अन्य सदस्य के रुप में ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता और सुनील सेठी हैं। बीसीसीआई ने माजिद डार को श्रीनगर में क्रिकेट का विकास देखरेख करने के लिए नियुक्त किया, जो सीधे उप-समिति को रिपोर्ट करने वाले हैं। बीसीसीआई के बयान के अनुसार उप समिति हमेशा बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली, सचिव जय शाह, कोषाध्यक्ष अरूण धूमल और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला वाली समिति की निगरानी और नियंत्रण में काम करेगी। उप समिति जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय के 23 अप्रैल को राज्य संस्था के कामकाज में कुप्रबंधन के कारण बीसीसीआई को उसके क्रिकेट मामले देखने का निर्देश देने के बाद गठित की गई। बीसीसीआई सचिव शाह ने कहा, उप-समिति जेकेसीए का दैनिक कामकाज देखेगी और उस हमेशा समिति की निगरानी और नियंत्रण में काम करना होगा।

करियर के शुरुआती दिनों में भी धोनी से तुलना पर नाराज हो जाते थे ऋषभः राणा

नई दिल्ली (ए)। टीम इंडिया के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के साथ रणजी ट्राफी में खेलने वाले नीतीश राणा ने कहा है कि करियर के शुरुआती दिनों में भी ऋषभ की तुलना पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से होती थी जिसपर ऋषभ नाराज हो जाते थे। उन्होंने कहा कि ऋषभ धोनी को काफी पसंद करते हैं। यहां तक कि वह कभी-कभी कहता था कि अगर कोई है जिसे मैं जागते और सोते समय देखना चाहता हूं, तो वह माही भाई हैं। उन्होंने मुझसे यहां तक कहा था कि कि लोग मेरी तुलना माही भाई से क्यों कर रहे हैं जबकि मैं तुलना के लायक नहीं हूं। एक बार ऋषभ ने मुझसे हाथ जोड़ते हुए कहा था कि मेरा बल्ला या सबकुछ ले लो। मैं खेलना भी छोड़ दूंगा, लेकिन मेरी तुलना धोनी भाई से मत किया करो। वो मेरे लिए भगवान की तरह हैं। राणा के अनुसार ऋषभ का आत्मविश्वास ही उन्हें इस स्तर तक लाया है। राणा ने कहा कि पंत की सबसे बड़ी ताकत उनका अपने पर भरोसा है। वो जिस भी फॉर्मेट में खेले, अपनी काबिलियत पर हमेशा भारोसा करते हैं। मुझे आज भी याद है जब लोग उनकी आलोचना कर रहे थे, तब उन्होंने मुझसे कहा था कि मैं सिर्फ एक बड़ी पारी से दूर हूं जिस दिन मैंने बड़ी पारी खेल दी, उस दिन सब लोग चुप हो जाएंगे और मुझे यकीन है कि ऐसा जल्दी ही होगा। इसके बाद अगले ही मैच में उन्होंने शतक लगा दिया। ये शायद 2018-19 के ऑस्ट्रेलिया दौरे की बात है. तब उन्होंने मुझे फोन किया था और अपने पर बने मीम्स शेयर करते हुए कहा था, देखो, लोग कैसे बदल जाते हैं, पहले मेरे लिए कैसी बात कर रहे थे और अब उनका नजरिया बदल गया है।

भारत ने दुबई को जीआई से प्रमाणित जलगांव केला निर्यात किया: वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली (ए)। भारत ने दुबई को विशिष्ट भौगोलिक पहचान (जीआई) से प्रमाणित जलगांव केले का निर्यात किया है, वाणिज्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। जीआई टैग उत्पादकों को उत्पाद का प्रीमियम मूल्य प्राप्त करने में मदद करता है क्योंकि कोई अन्य निर्माता समान वस्तुओं के विपणन के लिए नाम का दुरुपयोग नहीं कर सकता है। एक भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग का उपयोग एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले कृषि, प्राकृतिक या निर्मित उत्पाद के लिए किया जाता है। आमतौर पर ऐसा नाम गुणवत्ता और विशिष्टता का आश्वासन देता है, जो अनिवार्य रूप से इसके मूल स्थान के कारण होता है। दार्जिलिंग चाय, तिरुपति लड्डू, कांगड़ा पेंटिंग, नागपुर नारंगी, और कश्मीर पश्मीना भारत में पंजीकृत जीआई उत्पादों में से हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने वर्ष 2020-21 के दौरान 619 करोड़ रुपए के 1.91 लाख टन केले का निर्यात किया है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में जडेजा, अश्विन दोनो को मिलेगा मौका : गावस्कर

लंदन (ए)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि साउथैम्पटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम दोनो स्पिनरों रवींद्र जडेजा और आर अश्विन के साथ उतर सकती है। गावस्कर के अनुसार यहां गर्मी के कारण पिच सूखने से स्पिनर प्रभावी रहेंगे। गावस्कर इस मैच के लिए कमेंट्री पैनल में शामिल हैं।

उन्होंने कहा, ''साउथैम्पटन में पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में पिच सूखी होगी और स्पिनरों की मदद करेगी, इसलिए अश्विन और जडेजा दोनों को जगह मिलेगी।'' उन्होंने कहा कि से सिर्फ गेंदबाजी ही नहीं बल्कि बल्ले से भी

शानदार प्रदर्शन करते हैं जिससे टीम को बेहतर संतुलन मिलेगा। उन्होंने कहा, ''अश्विन और जडेजा बल्लेबाजी को भी गहराई देते हैं और गेंदबाजी में संतुलन लाते हैं क्योंकि डब्ल्यूटीसी के बाद इंग्लैंड के खिलाफ बाद में होने वाली सीरीज में बहुत कुछ मौसम और पिच पर निर्भर करेगा।'' वहीं इंग्लैंड पर जीत के साथ ही न्यूजीलैंड के हौसले बुलंद है पर गावस्कर का मानना है कि अभ्यास मैच नहीं मिलने के बाद भी भारतीय टीम की तैयारी भी अच्छी है। उन्होंने कहा, '' आजकल दौरों पर एक या दो अभ्यास मैच होते हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने आपस में अभ्यास मैच खेले हैं। टीम में युवा और अनुभवी दोनो खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और अधिकांश खिलाड़ी कई बार इंग्लैंड का दौरा कर चुके हैं। इसलिए उन्हें हालात की बेहतर जानकारी है।''

अश्विन इस दौरे पर अपने अनुभव से अहम भूमिका निभायेंगे और गावस्कर का मानना है कि इस स्पिनर को गेंदबाजी करते देखना उतना ही शानदार अनुभव है जितना ईशापल्ली प्रसन्ना या हरभजन सिंह को देखना।

रोनाल्डो की राह पर मिडफील्डर पॉल पोग्बा, बीयर की बोतल हटाई

नई दिल्ली (ए)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कोका-कोला की बोतल हटाकर सभी को हैरान कर दिया था। रोनाल्डो के कदम से कोका कोला कंपनी को शेयर मार्केट में काफी नुकसान हुआ है। रोनाल्डो की राह पर एक और फुटबॉलर चल पड़े है। फ्रांस के मिडफील्डर पॉल पोग्बा ने मैच के बाद प्रेसवार्ता शुरू होने से पहले टेबल पर रखी हैकिनेन बीयर की बॉटल को हटा दिया। पोग्बा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, जर्मनी के खिलाफ मैच के बाद पॉल पोग्बा प्रेसवार्ता के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने अपने सामने बीयर

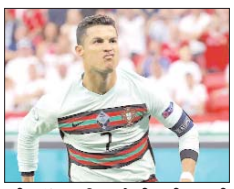

की बॉटल दिखाई दी, बीयर की बोतल को तत्काल हटा दिया। बता दें कि यूफो यूरो की कोको कोला की ही तरह हैकिनेन ऑफिशल स्पॉन्सर है। बता दें कि इनदिनों यूरो कप खेला जा रहा है। पुर्तगॉल टीम के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मैच के बाद जब प्रेस कॉन्फ्रेंस वाली टेबल पर आए और वहां पर माइक के पास दो कोका कोला की बोतल और एक पानी की बोतल रखी थी। रोनाल्डो ने वहां रखी दोनों कोका कोला की बोतल को हटाकर और पानी की बोतल उठाकर कहा कि ड्रिंक वॉटर रिपोर्टों के अनुसार यूरो 2020 के अधिकारिक प्रायोजकों में से एक कोका-कोला के शेयर की कीमत इसके तुरंत बाद 56.10 डॉलर से 55.22 डॉलर घट गई। कोका-कोला का बाजार मूल्यांकन भी 242 अरब डॉलर से घटकर 238 अरब डॉलर हो गया, जिसमें कंपनी को चार अरब डॉलर का झटका लगा। विवाद के बाद कोका कोला ने बयान दिया कि खिलाड़ियों को प्रेस कॉन्फ्रेंस या मैच के दौरान हर तरह की ड्रिंक दी जाती है।

स्नेह राणा ने अपने पिता को समर्पित किया डेब्यू प्रदर्शन

मुंबई (ए)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नई स्पिनर स्नेह राणा ने इंग्लैंड के खिलाफ एक मात्र टेस्ट के पहले दिन तीन विकेट चटका कर मैंच में भारत की वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शानदार प्रदर्शन को उन्होंने अपने दिवंगत पिता को समर्पित किया, जिनका 2 महीने पहले निधन हो गया था। 27 वर्षीय स्पिनर के मुताबिक उन्हें टीम मीटिंग में डेब्यू के बारे में पता चला था। उन्होंने कहा, अभ्यास सत्र में हम कप्तान (मिताली राज) और कोच (रमेश पोवार) से बात करते थे कि क्या करना है, कैसे गेंदबाजी करनी है। उन्होंने कहा, मैं पहली बार किसी टेस्ट में खेल रही थी, जहां परिदृश्य वनडे और टी-20 से थोड़ा अलग है, इसकारण हम इसके बारे में रोजाना बात करते थे। उन्होंने कहा, मैंने दो महीने पहले अपने पिता को खो दिया था। जब इस टीम की घोषणा की गई थी,

उससे थोड़ा पहले, मैंने उन्हें खो दिया। यह थोड़ा मुश्किल था, यह एक भावनात्मक क्षण था क्योंकि वह मुझे भारत के लिए फिर से खेलते देखना चाहते थे। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो सका। यह ठीक है, यह जीवन का हिस्सा है, लेकिन उनके बाद मैंने जो कुछ भी किया और अब जो भी करूंगी, मैं अपना सब कुछ उन्हें समर्पित कर दूंगी। राणा ने कहा कि पिच थोड़ी धीमी थी, लेकिन यह उनके अनुकूल थी क्योंकि इसने शुरुआत से ही दाएं मुड़ने की पेशकश की थी। इंग्लैंड ने 2 विकेट पर 230 रनों पर शानदार खेल रही थी लेकिन राणा और दीप्ति शर्मा ने अंतिम सत्र में भारत को एकतरफा टेस्ट में वापस लाने के लिए 2 विकेट दिलाए। इंग्लैंड ने 4 विकेट 7 ओवर में महज 21 रन पर गंवा दिए। राणा ने खेल के बाद कहा, शुरुआती चरण में पिच थोड़ी धीमी थी, लेकिन इससे स्पिनरों को मदद मिली, क्योंकि यह शुरू से ही थोड़ा टर्न हो रही थी। यह बल्लेबाजी करने के लिए एकदम सही विकेट है। मुझे लगता है कि विकेट कल भी ऐसा ही रहेगा। इंग्लैंड की महिला टीम ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक कप्तान हीथर नाइट की 95 रन की पारी की बदौलत 269/6 का स्कोर बनाया।

स्पिनर स्नेह का डेब्यू टेस्ट में शानदार प्रदर्शन , 77 रन देकर तीन विकेट लिए

लंदन (ए)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिनर स्नेह राणा ने यहां इंग्लैंड के साथ शुरु हुए एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लिए। स्नेह ने ब्रिस्टल टेस्ट के पहले दिन 77 रन देकर तीन विकेट लेकर मेजबान टीम के स्कोर पर अंकुश लगाया। स्नेहा के अलावा ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भी 50 रन देकर दो विकेट लिए। स्नेह ने अपनी इस सफलता को दिवंगत पिता को समर्पित किया है। इंग्लैंड दौरे के लिए चुने जाने से ठीक पहले स्नेह के पिता का निधन हो गया था। स्नेह ने पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा कि जब इस दौरे के लिए टीम की घोषणा की गई थी, उससे कुछ समय पहले ही मैंने पिता को खो दिया था। इसलिए मेरे लिए यह दौरा मुश्किल था, यह एक भावनात्मक क्षण था क्योंकि पिता मुझे भारत के लिए फिर से खेलते देखना चाहते थे पर दुर्भाग्य से उनके निधन के कारण ऐसा नहीं हो पाया हालांकि यह जिंदगी का हिस्सा है। उनके जाने के बाद मैंने जो कुछ भी किया और अब जो करूंगी, उन्हें समर्पित कर दूंगी।

भारत ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए श्रीलंका को 10 करोड़ डॉलर दिए

कोलंबो (ए)। भारत ने श्रीलंका को सौर ऊर्जा क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता दी है, जिससे 2030 तक देश की कुल ऊर्जा जरूरतों का 70 प्रतिशत हिस्सा अक्षय ऊर्जा स्रोतों से पूरा हो सकेगा। इस संबंध में श्रीलंका सरकार और भारतीय निर्यात-आयात बैंक के बीच हस्ताक्षरित एक समझौते का आदान-प्रदान श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे की उपस्थिति में श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले और ट्रेजरी सचिव एस आर अट्टीगले ने बुधवार को किया। बागले ने एक ट्वीट कर कहा ?कि भारत और श्रीलंका के बीच बहुआयामी साझेदारी में एक शानदार नया अध्याय! माननीय राष्ट्रपति महामहिम गोतबाया राजपक्षे की उपस्थिति में आज सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए श्रीलंका को 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता के एक समझौते का आदान-प्रदान किया गया। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि इस समझौते से विभिन्न परियोजनाओं के वित्तपोषण में मदद मिलेगी, जिनकी घोषणा मार्च 2018 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के पहले सम्मेलन के दौरान की गई थी।

स्मार्टफोन वीवो वाय1एस का नया वेरिएंट लॉन्च

यह फोन आता है एलीगेंट 3डी बॉडी कर्व्ड्स के साथ

नई दिल्ली (ए)। चाइनीज कंपनी वीवो ने स्मार्टफोन वीवो वाय1एस का नया वेरिएंट लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने अपने इस बजट फोन को भारतीय बाजार में उतार ?दिया है। यह नया वेरिएंट 3 जीबी रैम और 32 जीबी स्टोरेज के साथ आता है। इससे पहले फोन का 2 जीबी रैम और 32 जीबी स्टोरेज वेरिएंट लॉन्च किया गया था। नए एडिशन के बाद से फोन को दो वेरिएंट में उपलब्ध करा दिया गया है। यह फोन एलीगेंट 3डी बॉडी कर्व्ड्स के साथ आता है। तो चलिए जानते हैं वीवो वाय1एस के नए वेरिएंट की कीमत और उपलब्धता। फोन के 3 जीबी रैम और 32

जीबी स्टोरेज वेरिएंट की कीमत 9,490 रुपये है। इसे ऑरोरा ब्लू और ऑलिव ब्लैक कलर में खरीदा जा सकेगा। इसे कंपनी के वीवो इंडिया ई-स्टोर ई-कॉमर्स वेबसाइट अमेजन, फलीपकार्ट, पेटीएम, टाटाक्लीक, बजाज ईएमआई ई-स्टोर समेत सभी रिटेल पार्टनर स्टोर्स के जरिए खरीदा जा सकेगा। वहीं, फोन का जीबी रैम और 32 जीबी स्टोरेज वेरिएंट अमेजन पर 8,699 रुपये लिस्ट है। नए वेरिएंट के साथ अमेजन पर 8,950 रुपये तक का एक्सचेंज ऑफर दिया जा रहा है।

पूरी एक्सचेंज वैल्यू जाने पर यह फोन यूजर्स को 540 रुपये में मिल सकता है। इसके अलावा कई कार्ड ऑफर्स भी दिए जा रहे हैं। इसमें 6.22 इंच का एचडी प्लस फुल-इनसेल टच स्क्रीन कैपेसिटिव मल्टी-टच डिस्प्ले दिया गया है जिसका पिक्सल रेजोल्यूशन 1520म720 है। इसमें मीडियाटेक हेलियो पी35 प्रोसेसर दिया गया है। साथ ही 2 जीबी और 3 जीबी की रैम दी गई है। 32 जीबी की इंटरनल स्टोरेज दी गई है। फोन को पावर देने के लिए 4030 एमएएच की बैटरी दी गई है। यह फोन फनटच ओएस 10.5 पर आधारित एंड्रॉइड 10 पर काम करता है।

एप्पल की वॉच में कई हैरान कर देने वाले हेल्थ फीचर्स

नई दिल्ली (ए)। नए ऐप्पल वॉच में बेहतरीन डिस्प्ले और स्पीड अपग्रेड, एक एक्ट्रीम स्पोर्ट्स एडिशन के अलावा कई हैरान कर देने वाले एडवांस्ड हेल्थ फीचर्स ?मिलेंगे। इस वॉच में बॉडी टेम्परेचर और ब्लड शुगर सेंसर शामिल हैं। क्यूपर्टिनो, कैलिफोर्निया स्थित टेक दिग्गज कंपनी इस साल एक वॉच मॉडल के साथ लाइनअप को रिफ्रेश करने की योजना बना रही है, जिसे वॉच सीरीज़ 7 कहा जा रहा है, जिसमें एक तेज़ प्रोसेसर, बेहतर वायरलेस कनेक्टिविटी और एक अपडेटेड स्क्रीन देखने को मिलेगी। अगले साल कंपनी की योजना ऐप्पल वॉच एसई के लिए एक उत्तराधिकारी के साथ मुख्य ऐप्पल वॉच को अपडेट करने की है और एक नया वर्जन एक्सट्रीम स्पोर्ट्स एथलीटों को टार्गेट करेगा। एप्पल ने पहले इस साल के मॉडल में बॉडी टेम्परेचर सेंसर लगाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन अब 2022 के अपडेट में इसके शामिल होने की अधिक संभावना है। ब्लड-शुगर सेंसर, जो शुगर के मरीजों को उनके ग्लूकोज लेवल की निगरानी करने में मदद करेगा, के कई और सालों तक कमर्शियली लॉन्च होने की संभावना नहीं है। शरीर के तापमान को मापना को?विड-19 का पता लगाने का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया, जिससे ?विथिंगथर्मो जैसे गैजेट्स की मांग में वृद्धि हुई। कुछ कंपनियां छोटे डिजिटल थर्मामीटर पेश करती हैं जो स्मार्टफोन के चार्जिंग पोर्ट में प्लग हो जाते हैं। अपनी वॉच में बॉडी टेम्परेचर सेंसर जोड़ने से ऐप्पल को अन्य स्मार्टवॉच और फिटनेस बैंड से मेल खाने में मदद मिलेगी, जिसमें अल्फाबेट के स्वामित्व वाले फिटबिट के उत्पाद भी शामिल हैं। ब्लड शुगर की निगरानी करने वाले फीचर पर एप्पल लंबे समय से काम कर रही है और यह एक ऐसा फीचर होगा, जो अब तक प्रतियोगियों द्वारा नहीं जोड़ा गया है। ऐप्पल और अन्य वर्तमान में उन ऐप्स पर भरोसा करते हैं जो उपयोगकर्ताओं को अपने ग्लूकोज के स्तर को मैन्युअल रूप से इनपुट करने देते हैं।

बंपर डिस्काउंट में खरीदें रियलमी स्मार्ट टीवी

देश में फ्लैश सेल के जरिए खरीदा जा सकता है टीवी

नई दिल्ली(ए)। चाइनीज कंपनी रियलमी ने अपने दो नए स्मार्ट टीवी 4के लॉन्च किए हैं। भारत में इन टीवी को फ्लैश सेल के जरिए खरीदा जा सकता है।? रियलमी स्मार्ट टीवी 4के दो स्क्रीन साइज़ में आते हैं, जिसमें पहला 43 इंच और दूसरा 50 इंच है। मात्र 27,999 रुपये की शुरुआती कीमत वाले इन

स्मार्ट टीवी को 2 हजार रुपये की बचत के साथ खरीदा जा सकता है। रियलमी की ऑफिशियल वेबसाइट से इस टीवी को खरीदने पर आईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को 2000 रुपये का इंस्टेंट डिस्काउंट मिल रहा है। यह क्रेडिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड ईएमआई भुगतान पर लागू होगा। इसके अलावा मोबीक्वीक से पेमेंट करने पर 500 रुपये का कैशबैक भी प्राप्त कर सकते हैं।? रियलमी स्मार्ट टीवी 4के 43 के स्पेशिफिकेशन्स की बात की जाए तो रियलमी स्मार्ट टीवी 4के 43 इंच में एलईडी स्क्रीन दी गई है, जिसका रेजोलूशन 3840/2160 पिक्सल है। इस स्मार्ट टीवी में मीडियाटेकप्रोसेसर दिया गया है। स्टोरेज की बात की जाए तो इस टीवी में 2जीबी रैम और 16जीबी का स्टोरेज दी गई है। इस टीवी में डोल्बी विजन इमेजिंग टेक्नोलॉजी और 4के सिनेमेटिक अनुभव मिलेगा। इस स्मार्ट टीवी को टीयूवी रहेइनलेंड लो ब्लू लाइट सर्टिफिकेशन दिया गया है। इस टीवी की स्क्रीन से 178 डिग्री तक व्यूइंग एंगल मिलता है, जिससे इसे कहीं से भी देखा जा सकता है। ऑपरेटिंग सिस्टम की बात करें तो यह टीवी एंड्रायड 10.0 वर्जन पर काम करता है। अन्य फायदों की बात करें तो इस टीवी में प्राइम वीडियो, नेटफलीक्स, यूटयूब और गूगल पे आदि के जरिए कॉन्टेन्ट का लाभ उठा सकते हैं। कनेक्टिविटी की बात करें तो इस टीवी में वाईफाई, ब्लूटूथ 5.0, 2 एचडीएमआई पोर्ट, 2 यूएसबी पोर्ट, एचडीएमआई एआरसी पोर्ट, एक एलएएन पोर्ट और इन्फ्रारेड दिया गया है। साउंड सिस्टम के मामले में इस टीवी में 24 डब्ल्यू क्वॉड स्टीरियो स्पीकर्स हैं। इस टीवी में स्पीकर्स के 2 सेट्स सबसे नीचे हैं। यूजर्स की मदद के लिए रियलमी स्मार्ट टीवी 4के में बिल्ट इन गूगल असिस्टेंट है, जिसके जरिए यूजर्स आसानी से स्मार्ट टीवी को कंट्रोल कर सकते हैं। रियलमी स्मार्ट टीवी 4के 50 के स्पेशिफिकेश की बात की जाए तो ?रियलमी स्मार्ट टीवी 4के 50 इंच में एलईडी स्क्रीन दी गई है,जिसका रेजॉलूशन 3840क्ष्2160 पिक्सल है। इस स्मार्ट टीवी में मीडियाटेक 4के यूएचडी प्रोसेसर दिया गया है। रियलमी के इस टीवी में 2जीबी रैम और 16जीबी का स्टोरेज दी गई है। इस टीवी में डोल्बी विजन इमेजिंग टेक्नोलॉजी और 4के सिनेमेटिक अनुभव मिलेगा। इस टीवी में वाईफाई, ब्लूटूथ 5.0, 2एचडीएमआई पोर्ट,2 यूएसबी पोर्ट, एचडीएमाई एआरसी पोर्ट, एक एलएएन पोर्ट और इन्फ्रारेड दिया गया है।

चोकसी की कंपनियों ने फर्जी पत्रों से पीएनबी के 6,433.96 करोड़ प्राप्त किए: सीबीआई

नई दिल्ली (ए)। सीबीआई ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में जांच करने के बाद पता लगाया है कि भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के स्वामित्व वाली कंपनियों ने कथित रूप से फर्जी वचन पत्रों और विदेशी साख पत्रों का इस्तेमाल कर पीएनबी से 6,344.96 करोड़ रुपए हासिल किए। सीबीआई ने पिछले सप्ताह मुंबई में एक विशेष अदालत में पूरक आरोपपत्र में ये बातें कही हैं। एजेंसी ने कहा कि पीएनबी के कर्मचारियों ने कथित रूप से चोकसी से हाथ मिलाकर बैंक के साथ बेइमानी की। जानकारी के अनुसार पीएनबी की ब्रैडी हाउस शाखा (मुंबई) में अधिकारियों ने मार्च-अप्रैल 2017 के दौरान 165 वचन-पत्र (एलओयू) और 58 विदेशी साख पत्र (एफएलसी) जारी किए थे जिनके आधार पर 311 बिलों में छूट दी गई। बिना किसी पाबंदी सीमा या नकदी सीमा के चोकसी की कंपनियों को ये पत्र जारी किए गए। एलओयू, बैंक द्वारा उसके ग्राहक की ओर से किसी विदेशी बैंक को दी गयी गारंटी होती है। अगर ग्राहक विदेशी बैंक को पैसा नहीं लौटाता तो देनदारी गारंटर बैंक की होती है। सीबीआई के पूरक आरोपपत्र में आरोप हैं कि जब आरोपी कंपनियों ने कथित फर्जी एलओयू और एफएलसी के आधार पर अर्जित राशि का भुगतान नहीं किया तो पीएनबी ने विदेशी बैंकों को बकाया ब्याज समेत 6,344.97 करोड़ रुपए का भुगतान किया।% पीएनबी ने चोकसी पर उसके साथ 7,080 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि मामले में अभी जांच चल रही है और बैंक को हुए नुकसान का अंतिम आंकड़ा सारे एलओयू के अध्ययन तथा जांच पूरी होने के बाद ही पता चल सकता है।

नैनो न्यूज

चार माह से वेतन न मिलने से नाराज भेल ठेका श्रमिकों ने की हड़ताल

भोपाल (ए)। देश की महारत्न कंपनी कंपनियों में शुमार भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स (भेल) की भोपाल इकाई में ठेका श्रमिकों ने काम रोको आंदोलन छेड़ दिया है। इन्हें चार महीने से वेतन नहीं मिला है। इससे नाराज होकर श्रमिकों ने गुरुवार से प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन की शुरुआत बुधवार से हो गई थी, लेकिन अधिक संख्या में ठेका श्रमिक नहीं जुट पाए थे। गुरुवार सुबह आठ बजे से ठेका श्रमिकों का भेल के फाउंड्रीगेट-पांच पर जुटना शुरू हो गया। देखते-देखते ही 250 से अधिक ठेका श्रमिक एकित्रत हो गए। भेल प्रबंधन को भीड़ तितर-बितर करने के लिए पुलिस बुलानी पड़ा। पुलिस ने आकर प्रदर्शन कर रहे ठेका श्रमिकों को समझाइश दी। इसके बाद भी भेल के ठेका श्रमिकों का प्रदर्शन जारी रहा। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि जिन ठेका श्रमिकों का वेतन ठेकेदारों ने तीन से चार महीने का रोका है, उसे पूरा दिया जाए। वेतन में जो कटौती की गई, उसे भी बहाल किया जाए। भेल ठेका श्रमिक नेता मनोज सिंह जादौन ने बताया कि कोरोना काल में भेल प्रबंधन ने ठेका श्रमिकों के वेतन में कटौती कर दी। ऐसे में ठेकेदारों ने कई ठेका श्रमिकों को वेतन नहीं दिया। जिन्हें दिया, उन्हें भी पूरा नहीं दिया। इससे ठेका श्रमिकों के आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। परिवार का भरण-पोषण करने में दिक्कत हो रही है। भेल प्रबंधन के फैसले के बाद ठेका श्रमिकों के वेतन में 2500 रुपये तक की कटौती की गई है। इस फैसले को जल्द वापस लिया जाना चाहिए। ठेका श्रमिकों के साथ वेतन देने में भेदभाव नहीं किया जाए। ऐसे ठेकेदार जो ठेका श्रमिकों को नौकरी देते हैं, उन्हें भी श्रमिकों को पूरा वेतन दिलाने के लिए भेल प्रबंधन के समक्ष मांग रखनी चाहिए।

15 महीने में 24 हजार डीएल व रजिस्ट्रेशन हुए पेंडिंग

भोपाल (ए)। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में जुलाई में रिन्यू किए जाने वाले करीब 24 हजार परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) और वाहनों के रजिस्ट्रेशन कार्ड (आरसी) को बनाने में मुश्किल आएगी। इस काम को निपटाने में कम से कम डेढ़ महीने का समय लगेगा। हालांकि आरटीओ संजय तिवारी का कहना है कि स्लॉट बढ़ाकर पहले की तरह पूरे काम को डीएल व रजिस्ट्रेशन कार्ड बनाने के दौरान निपटा लिया जाएगा। संभावना है कि स्मार्ट चिप प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अन्य शाखाओं से कुछ कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर पेंडिंग काम को पूरा करवाया जाएगा। करीब 15 महीने की अवधि के दौरान लैप्स हुए डीएल और आरसी की 30 जून को मोहलत खत्म हो रही है। इस तारीख के बाद संबंधित डीएल धारी और वाहन मालिकों को अपने दस्तावेज रिन्यू करवाना होंगे। इसे लेकर संबंधित डीएल धारकों व वाहन मालिकों ने अभी से अगले महीने के अपाइंटमेंट बुक करना शुरू कर दिए हैं।

पाकिस्तान में 13 साल की ईसाई बच्ची का अपहरण कर जबरन धर्मांतरण

पेशावर (ए)। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक युवतियों के जबरन धर्मांतरण व निकाह के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ताजा मामला पाकिस्तान के गुजरांवाला शहर से सामने आया है, जहां 13 साल की ईसाई बच्ची का जबरन धर्म परिवर्तन करा निकाह कर दिया गया। मामले में इमरान सरकार, पुलिस और अदालत तीनों की कलई खुल गई है। पीड़ित बच्ची के पिता का आरोप है कि एक मुस्लिम लड़के ने उनकी लड़की का अपहरण कर उसका जबरन धर्म परिवर्तन करवाया और फिर उसकी तीन बच्चों के पिता से जबरन शादी करा दी। गंभीर अपराध को कानूनी जामा पहनाने के लिए युवती का अदालत में जबरन बयान दिलवाया गया। आश्चर्य है कि अदालत में जज ने भी नाबालिग लड़की की शादी को वैध बताकर आरोपियों को रिहा कर दिया। अब पीड़ित का पिता शाहिद गिल न्याय की गुहार लगा रहा हैं, लेकिन इमरान सरकार चुप्पी साधे बैठी है। बच्ची के पिता ने बताया लड़की के नाबालिग होने के बाद भी धमकी देकर दिया गया बयान को अदालत ने मान लिया। पाक में बाल विवाह निरोधक एक्ट 1929 के अनुसार 18 साल से कम उम्र के लड़के और 16 साल से कम उम्र की लड़की की शादी अवैध है। अदालत ने सुनवाई के बाद कहा कि वह युवती के बयान पर अपना निर्णय देगी। रिपोर्ट के मुताबिक पीड़िता के पिता अपने परिवार के लिए न्याय की मांगा है। शाहिद गिल ने कहा कि उनके पड़ोसी ने उनकी बेटी को उनकी मेकअप एक्सेसरीज की दुकान पर सेल्सगर्ल के रूप में काम पर रखने की पेशकश की थी। उन्होंने इस पेशकश को ठुकरा दिया लेकिन अपहर्ता लगातार उनसे मदद मांगता रहा। शाहिद ने कहा कि घर की स्थिति ठीक न होने के कारण बाद में उन्होंने अपनी बेटी को पड़ोसी की दुकान पर काम करने की अनुमति दे दी। गिल ने कहा कि 20 मई को उनकी बेटी घर से गायब हुई थी बाद में पड़ोसियों से पता चला कि उन्होंने लड़की को अपहरणकर्ता और कुछ अन्य पुरुषों एवं महिलाओं के साथ पिकअप ट्रक पर जाते हुए देखा था। उन्होंने फिरोजवाला पुलिस स्टेशन में इसकी शिकायत की और 29 मई को अपहर्ता व सात अन्य के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। जांच के दौरान दो संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया लेकिन बाद में लड़की स्थानीय अदालत में पेश हुई।

बेबी किन्नर एवम उनके साथियों पर आस पास के किन्नरों ने मिलकर किया हमला, विरोध करने पर चलाई गोली

सुरजीत सिंह/क्राइम ब्यूरो।

ग्वालियर। ग्वालियर जिले के थाना ग्वालियर के अंतगर्त दो किन्नरों के गुटों के बीच ल?ाई हो गई ल?ाई के चलते बेबी बाई किन्नर के साथियों पर ग्वालियर के आस पास के किन्नरों ने मिलकर बेबी बाई किन्नर के घर पर जमकर पत्थर बाजी भी कर दी साथ ही यह सारी घटना क्रम बाहर लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में यह कैद हो गया जब यह जानकारी पत्थर बरसा रहे किन्नरों को लगी तो उन्होंने उस कैमरे को भी तो? दिया।

आपको बता दे कि पत्थर बाजी इतनी जौर शोर की गई थी जिसमे ष्टष्ह्ल1 कैमरे के साथ लाइट मीटर से लेकर कई गमले और घर के गेट तक छतिग्रस्त हो गये। आपको बता दे बेबी किन्नर एवम उनके साथियों पर जब सारे किन्नर हावी हो रहे थे तो अपने बचाव के लिये बेबी किन्नर एवम साथियों ने गेट लगा लिये थे पर संख्या ज्यादा होने के चलते पथराव करने बाले किन्नरों ने गेट तक तो?ने का प्रयास किया। जब माहौल ज्यादा गर्म हुआ तो आस पास के लोग बीच बचाव करने पहुँचे तो बीच बचाव में किन्नरों ने गोली बारी कर दी जिसमे दो व्यक्ति घायल हो गये जिसमे एक व्यक्ति के गोली आर पार हो गई जिसके बाद पुलिस को जानकारी मिलते ही मौके पर थाना ग्वालियर की पुलिस मौके पर पहुँची और दोनों पक्षो पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

बताया जा रहा है बेबी बाई किन्नर एवम उन पर हमला करने बाले किन्नर मुरार, महलगांव, आश्रम क्षेत्र के बताये जा रहे है जिनमे कुछ के नाम भी बताये जा रहे है जिनमे से प्रिया, नेहा, पलक, साधना एवम बॉबी के नाम सामने आ रहे है जिनके द्वारा और इनके साथियों ने मिलकर बेबी किन्नर एवम उनके साथियों पर हमला किया है।

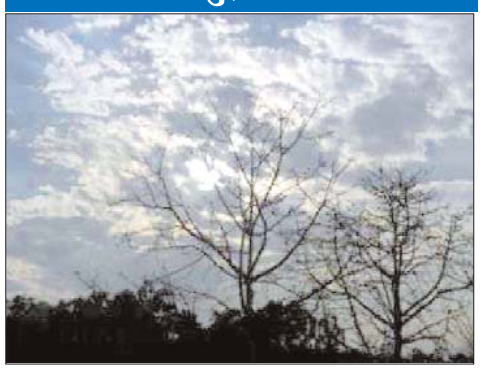

पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिलने से ठिठका मानसूनः इंदौर, उज्जैन, चंबल संभाग में नहीं हुई अभी तक बारिश

भोपाल। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिलने के कारण पिछले चार दिन से मानसून भोपाल, नौगांव, हमीरपुर पर थमा हुआ है। वर्तमान में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में कोई वेदर सिस्टम नहीं रहने के कारण अभी एक सप्ताह तक मानसून के आगे बढ़ने की संभावना भी कम ही नजर आ रही है। अरब सागर से रफ्तार के साथ आगे बढ़े दक्षिण-पश्चिम मानसून मध्यप्रदेश के कुछ क्षेत्रों में प्रवेश करने के बाद ठिठककर रह गया है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में कोई प्रभावी सिस्टम नहीं होने के कारण इस तरह की स्थिति बनी है। विशेषकर मालवा-निमाड़ क्षेत्र जून का पहला पखवाड़ा बीतने के बाद भी रीता पड़ा है। वातावरण में अपेक्षाकृत नमी नहीं रहने के कारण अब तापमान में बढ़ोतरी होगी। इससे उमस भी बढ़ेगी। उधर बुधवार को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक खंडवा में 56.0, मलाजखंड में 11.6, दमोह में 7.0, नौगांव में 2.0, सागर में 0.8, जबलपुर में 0.7 मिलीमीटर बारिश हुई। उधर राजधानी में शाम करीब छह बजे अलग-अलग स्थानों पर कुछ समय तक तेज बौछारें पड़ीं। मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी जेपी विश्वकर्मा ने बताया कि अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिलने के कारण पिछले चार दिन से मानसून भोपाल, नौगांव, हमीरपुर पर थमा हुआ है। वर्तमान में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में कोई वेदर सिस्टम नहीं रहने के कारण अभी एक सप्ताह तक मानसून के आगे बढ़ने की संभावना भी कम ही नजर आ रही है।

विकलांग बल श्योपुर ब्लॉक सोईं के विकलांगों के विकलांग प्रमाण पत्र जिला चिकित्सालय पहुंचकर बनवाएं गए

विनोद पाठक ब्यूरो पुष्पांजली टुडे।

श्योपुर। विकलांग बल श्योपुर ब्लॉक सोई कला से सोई के विकलांगो को मिली ब?ी राहत सोई कला ब्लॉक अध्यक्ष घासीराम प्रजापति व ब्लॉक उपाध्यक्ष विष्णु प्रजापति के द्वारा सोई कला के विकलांगो को हो रही असुविधा से राहत दिलाई गई एवं जिला चिकित्सालय पहुंचकर रामराज सुमन, राजेन्द्र वैष्णव, राम मुकेश गुर्जर, आदि विकलांगो का विकलांग प्रमाण पत्र बनवाएं गए जिससे विकलांगो की आजीविका के लिए उनकी पेंशन प्रारम्भ हो सके! ग्रामीण के विकलांगो के चेहरे पर आई मुस्कान और सोई के सभी विकलांग भाई बहनों का कहना है कि हमारे अभी तक विकलांग प्रमाण पत्र नही बने थे जब से श्योपुर जिले में विकलांग बल संगठन का गठन हुआ है विकलांगों को होने वाली परेशानियों से कुछ तो छुटकारा मिला है विकलांगों का दर्द एक विकलांग ही समझ सकता है जो विकलांगों का यह संगठन विकलांग बल समझ रहा है जो विकलांग होते हुए भी विकलांगजन ही अपने वाहन बैठाकर हम विकलांगों को जिला चिकित्सालय ले जाकर विकलांग प्रमाण पत्र बनवाये।

सायबर ठगों ने भोपाल सहित कई शहरों में किराए पर ले रखे हैं बैंक खाते

एजेंसियों ने 18 राज्यों में चला रखा है साइबर ठगों की धरपकड़ का अभियान

भोपाल। बढ़ते साइबर अपराधों पर नकेल कसने के लिए केंद्र सरकार की साइबर सुरक्षा एजेंसियों ने 18 राज्यों में साइबर ठगोरों की धरपकड़ का अभियान चलाया है। इनमें प्रदेश के कुछ शहर भी हैं। हालांकि प्रदेश में कोई बड़ा साइबर ठग गिरोह नहीं है, लेकिन ठगों ने भोपाल सहित प्रदेश के कई शहरों में ठगी के पैसे के लिए किराए पर बैंक खाते आवश्यक ले रखे हैं। जांच एजेंसी देशभर में ऐसे ही एक हजार से अधिक बैंक खातों की भी जांच कर रही है। कुछ दिन पहले केंद्र सरकार की साइबर सुरक्षा एजेंसी ने देश में साइबर ठगोरों के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया है। यह 18 राज्यों में चल रहा है। इसमें अब तक 350 ठगों की पहचान हो चुकी है, जबकि 21 ठगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं एक हजार से अधिक बैंक खातों को ब्लॉक कर जांच की जा रही है। प्रदेश में भी बालाघाट के दो आरोपियों को साइबर सुरक्षा एजेंसी की सूचना पर पकड़ा गया है। इसमें भी जांच जारी है।

शहर में कई शिकार, पर शिकारी नहीं: पुलिस सूत्रों के अनुसार प्रदेश में रोजाना कई लोग साइबर ठगोरों का शिकार हो रहे हैं। भोपाल जैसे शहर में चार-पांच ठगी की शिकायतें आना आम बात है। हालांकि इनमें से दस प्रतिशत मामलों में भी केस दर्ज नहीं हो पाता है। सूत्रों का कहना है कि प्रदेश में अब तक साइबर ठगोरों का कोई बड़ा गिरोह सक्रिय होने की बात सामने नहीं आई है। टीकमगढ़ और निवाड़ी में कुछ युवकों के सक्रिय होने के कुछ मामले सामने आए थे।

किराए पर ले रखे हैं बैंक खाते: जांच अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में अभी तक ठगों का कोई बड़ा नेटवर्क होने की बात तो सामने नहीं आई है, लेकिन भोपाल सहित प्रदेश के कई शहरों में बाहरी साइबर ठगोरों ने कई बैंक खाते किराए पर ले रखे हैं। ये ठग जिससे बैंक खाता किराए पर लेते है।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आगामी 31 जुलाई तक के कार्यक्रमों को लेकर मेहगांव

बृजपाल सिंह गुर्जर संवाददाता

मेहगांव ।

भिंड भारतीय पार्टी के यशस्वी जिला अध्यक्ष आदरणीय नाथू सिंह गुर्जर जी की अध्यक्षता में भिंड जिले के सभी 26 मंडल अध्यक्षों की वर्चुअल बैठक संपन्न जिससे जिला कार्यालय मंत्री उपेंद्र शर्मा जी बीजेपी आईटी सेल प्रभारी रोहित करैया जी उपस्थित रहे।

पाक विदेश मंत्री ने फिर उठाया कश्मीर मुद्दा, संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों को लिखा पत्र

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों को एक और पत्र लिखा है, जिसमें कश्मीर मुद्दे का उल्लेख किया गया है। यह जानकारी पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने दी है। विदेश कार्यालय ने कहा कि कुरैशी ने पत्र संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष और संयुक्त राष्ट्र महासचिव को संबोधित किया है।

सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष और संयुक्त राष्ट्र महासचिव को

नियमित रूप से पत्र लिखने वाले मंत्री ने अपने नवीनतम पत्र में आरोप लगाया है कि भारत फर्जी अधिवास प्रमाणपत्र जारी करके और अन्य उपायों के माध्यम से कश्मीर की जनसांख्यिकीय संरचना को बदल रहा है। उन्होंने सुरक्षा परिषद से आग्रह किया कि वह भारत का आह्वान करे कि वह पांच अगस्त, 2019 और उसके बाद के अपने कदमों को पलटे।

उल्लेखनीय है कि भारत द्वारा पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त किए जाने के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। भारत के इस फैसले पर पाकिस्तान ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्पष्ट कहा है कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान समाप्त करना उसका आंतरिक मामला है। भारत ने पाकिस्तान को वास्तविकता को स्वीकार करने और भारत विरोधी सभी दुष्प्रचार रोकने की भी सलाह दी थी। कुरैशी ने अपने पत्र में यह भी कहा कि पाकिस्तान भारत सहित अपने सभी पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण संबंध चाहता है।

बाइडेन-पुतिन शिखर बैठक में राजदूतों को वापस भेजने व परमाणु संधि पर बातचीत पर बनी सहमति

जिनेवा (ए)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि वह और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बुधवार को एक रचनात्मक शिखर बैठक में अपने देशों के राजदूतों को उनके पदों पर वापस भेजने और परमाणु हथियारों को सीमित करने वाली अगली संधि का प्रारूप तय करने को लेकर बातचीत करने पर सहमति प्रकट की। मौजूदा संधि 2026 में खत्म हो जाएगी।

पुतिन ने कहा वार्ता के दौरान कोई कटुता नहीं थी, जो उम्मीद से कम समय में समाप्त हो गई। दोनों पक्षों ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि बैठक चार से पांच घंटे चलेगी, लेकिन दोनों नेताओं के बीच बैठक तीन घंटे से भी कम समय चली। इसमें प्रारंभिक बैठक शामिल थी जिसमें दोनों राष्ट्रपति और दोनों के शीर्ष सहयोगी थे। बैठक समाप्त होने के बाद पुतिन ने अकेले ही संवाददाता सम्मेलन करके इसके परिणाम बताए जबकि बाइडन ने अलग से संवाददाताओं को संबोधित किया।

पुतिन ने स्वीकार किया कि बाइडन ने उनके साथ बातचीत में मानवाधिकार का मुद्दा उठाया, जिसमें विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी का मामला भी शामिल था। पुतिन ने नवलनी की जेल की सजा का बचाव किया और रूसी विपक्षी नेताओं के साथ दुर्व्यवहार को लेकर बार-बार पूछे जाने वाले सवालों पर अमेरिका में घरेलू उथल-पुथल का उल्लेख किया जिसमें 'ब्लैक लाइव्स मैटर' विरोध प्रदर्शन और 6 जनवरी को कैपिटोल पर हुई हिंसा भी शामिल है। पुतिन ने कहा कि वह और बाइडन परमाणु हथियारों को सीमित करने वाली नई संधि के 2026 में समाप्त होने के बाद इसे बदलने को लेकर बातचीत शुरू करने पर सहमत हुए। रूस द्वारा यूक्रेन के क्रीमिया पर कब्जा करने और पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादियों के समर्थन के जवाब में वाशिंगटन ने 2014 में मॉस्को के साथ वार्ता रोक दी थी। सन 2017 में वार्ता फिर शुरू हुई, लेकिन ट्रम्प प्रशासन के दौरान नई स्टार्ट संधि को विस्तार देने में सफलता नहीं मिली। रूसी राष्ट्रपति ने कहा उनके बीच अपने राजदूतों को उनकी संबंधित तैनाती पर वापस भेजने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने हाल के महीनों में संबंधों में गिरावट होने के चलते अपने शीर्ष राजदूतों को वाशिंगटन और मॉस्को से वापस बुला लिया था। अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंतोनोव को करीब तीन माह पहले वाशिंगटन से वापस बुला लिया गया था जब बाइडन ने पुतिन को हत्यारा कहा था।

रूस में अमेरिकी राजदूत जॉन सुलिवन ने करीब दो महीना पहले मास्को छोड़ दिया था। पुतिन ने कहा आने वाले दिनों में राजदूतों के अपने पदों पर लौटने की उम्मीद है। पुतिन ने यह भी कहा कि दोनों पक्ष साइबर सुरक्षा के मुद्दों पर परामर्श शुरू करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हैं। हालांकि उन्होंने अमेरिका के इन आरोपों का खंडन किया कि रूसी सरकार अमेरिका और दुनिया भर में व्यापार और सरकारी एजेंसियों के खिलाफ हाल के हाई-प्रोफाइल हैक के लिए जिम्मेदार थी।

पश्चिम को चीन की तरक्की पसंद नहीं इसलिए वो चीन के प्रति ज्यादा हमलावर

बीजिंग(ए)। चीन ने अपनी आक्रामक होती नीति को सही ठहराते हुए कहा है कि अब चीन तेजी से तरक?की कर रहा है जो पश्चिम को पसंद नहीं आ रही है। इसलिए वो चीन के प्रति ज?यादा हमलावर है। इस तरह के हमलों का जवाब देने के लिए इस तरह की आक्रामक नीति की सख?त जरूरत है। यही वजह है कि चीन का ऐसा रुख है। ये बयान चीन के फ्रांस में नियुक्त राजूदत ने ल्यू शाए ने चीनी सरकार की एक वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में कहा कि हम जो कुछ भी कर रहे हैं वो अपने अधिकारों और अपने हितों की रक्षा के लिए कर रहे हैं। चीन ने वर्ष 2020 के बाद से ही विश्व बिरादरी के प्रति बेहद आक्रामक रवैया अपनाया हुआ है। ल्यू ने कहा है कि पश्चिम, चीन की नीति को आक्रामक मानता है, लेकिन सच्चाई ये है कि ये उनके लिए है जो खुद आक्रामक हैं। चीन के राजदूत ने उन सोशल मीडिया वेबसाइट्स पर भी अपना गुस्सा उतारा है जिन्हें चीन में बैन कर दिया गया। उनका आरोप है कि इनके माध्यम से चीन के प्रति जहर उगला गया और ये सभी कुछ अमेरिका के इशारे और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए ही किया गया है। अब इन देशों को चीन की नीति वुल्फ वॉरियर वाली लग रही है। ल्यू का कहना है कि चीन की पहले नीति अपनी ताकत छिपाने और समय बिताने की थी। पहले के नेताओं के लिए यही जरूरी भी था क्योंकि उस वक्त देश को मजबूत करने की जरूरत पर ध्यान नहीं दिया गया था। लेकिन अब चीजें बदल रही हैं और चीन लगातार ताकतवर हो रहा है। चीन की बढ़ती ताकत से पश्चिमी जगत हैराना भी है और परेशान भी है।

नैनो न्यूज

माया सिंह ने किया डीडी नगर में 30 बिस्तर के अस्पताल का निरीक्षण

ग्वालियर। डीडी नगर में 30 बिस्तर के अस्पताल का आज पूर्व मंत्री माया सिंह ने अचानक निरीक्षण किया। अस्पताल

एनएचआरएम प्रोजेक्ट के अंतर्गत नोरमान एजेंसी हाउसिंग बोर्ड का हिस्सा है। डीडी नगर विकास समिति की मांग पर पूर्व मंत्री माया सिंह ने इसे शुरू कराया था। निरीक्षण के दौरान हाउसिंग बोर्ड के डिप्टी कमिश्नर एसके सुमन, ईई एसके शर्मा, डा. धर्मेन्द्र सक्सैना, डा. अरविंद मित्तल, डा. हरिमोहन पुरोहित, डा. गौरव शर्मा, सचिन श्रीवास्तव, उदयभान सिंह, ओपी गुप्ता सहित नगर विकास समिति के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

पिता ने बेटी के साथ की छेड़छाड़

ग्वालियर। शहर के जनक गंज थाना क्षेत्र में स्थित ढोलीबुआ पुल के पास मां के साथ सो रही एक नाबालिग किशोरी के साथ उसके पिता ने छेड़छाड़ कर दी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है जानकारी के अनुसार जनक गंज थाना क्षेत्र के ढोली बुआ पुल के पास रहने वाली 14 साल की एक छात्रा बीती रात अपनी मां के साथ सो रही थी तभी उसका पिता आया और उसके साथ गलत हरकत करने लगा ।तभी छात्रा की नींद खुल गई और उसने अपनी मां को पूरी बात बताई घटना का पता चलते ही मां ने पुलिस को सूचना दी पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

अधेड़ महिला और युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

ग्वालियर। उपनगर मुरार थाना क्षेत्र के किशनपुरा में एक अधेड़ महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली वहीं थाटीपुर थाना क्षेत्र के अमरपुरा के पास एक 18 साल का युवक फांसी पर झूल गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मुरार थाना क्षेत्र के किशनपुरा निवासी शशि शर्मा 50 साल पत्नी गणेश शर्मा ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और मृतका के शव को पीएम के शुरू कर दी है। थाना थाटीपुर थाना क्षेत्र के कुम्हरपुरा 60 फुटा रोड के पास रहने वाला दिग्विजय सिंह 18 साल रात अपने घर में फांसी पर झूल गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पति के दोस्त ने किया महिला से दुष्कर्म

ग्वालियर। उपनगर ग्वालियर थाना क्षेत्र के जामा मस्जिद किला गेट के पास रहने वाली एक महिला के साथ उसके पति के दोस्त ने दुष्कर्म कर डाला। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला उसकी तलाश शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार ग्वालियर थाना क्षेत्र के जामा मस्जिद किला गेट के पास रहने वाली 22 साल की महिला अपने पति तथा बच्चों के साथ रहती है ।बीते रोज उसके पति का दोस्त धर्मेंद्र करोसिया घर में पति से मिलने आया उस समय महिला का पति घर पर नहीं था। तभी धर्मेंद्र घर में घुस आया और महिला के साथ जबरन दुष्कर्म कर भाग गया ।घटना के बाद महिला ने अपने पति को सूचना दी इसके बाद थाने आकर युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद 45 भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या हुई, हालात चिंताजनक

कोरोना महामारी में सेवा के लिए हमेशा मैदान में दिखे भाजपा कार्यकर्ता: कैलाश विजयवर्गीय

ग्वालियर। कोविड महामारी की दूसरी लहर का प्रकोप समाप्ति की ओर है। दूसरी लहर के दौरान प्रदेश में मुख्यमंत्री और जनप्रतिनिधियों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने अच्छा काम किया। कोरोना संक्रमण के दौरान मैदान में केवल भाजपा कार्यकर्ता ही सेवा करते हुए दिखाई दिए। अभी भी वैक्सीनेशन से लेकर अन्य कार्यों में प्रशासन के साथ भाजपा कार्यकर्ता ही दिखाई दे रहे हैं। वहीं कांग्रेस सहित अन्य दलों के कार्यकर्ता घरों में रहे।

यह बात भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने गुरुवार को ग्वालियर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही। श्री विजयवर्गीय यहां पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया के पिता स्व. बलवंत सिंह पवैया जी के निधन पर शोक संवेदना प्रकट करने आये हुए थे। पवैया से मुलाकात के बाद उन्होंने पत्रकारों से विभिन्न विषयों पर बात की। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियों को लेकर विजयवर्गीय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को अच्छी सफलता मिली है। 2015 में भाजपा का वोट शेयर मात्र 4 प्रतिशत था। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीतीं और विधानसभा चुनाव में 3 से 77 सीटें जीत लीं। पहले पश्चिम बंगाल में 4 राजनीतिक दल, टीएमसी, कांग्रेस, सीपीएम और भाजपा थे। इस बार कांग्रेस और सीपीएम साफ हो गए और विधानसभा में केवल भाजपा और टीएमसी ही दिखाई दिए।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति दिनोंदिन बिगड़ रही है। बांग्लादेशी घुसपैठियों ने महिलाओं के साथ बलात्कार किए, और महिलाओं को सुप्रीम कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। एक महिला मुख्यमंत्री के होते हुए ऐसा होना शर्मनाक है। ऐसी घटनाओं पर पुलिस कार्रवाई नहीं करती है। चुनाव के बाद हुई हिंसा में 45 भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है। जहां से भाजपा जीती है, वहां पर भाजपा कार्यकर्ताओं को परेशान किया जा रहा है और हिंसा की जमकर राजनीति हो रही है। ऐसी स्थिति में वहां राष्ट्रपति शासन लगना चाहिए।

इसी क्रम में उन्होंने भगवान राम के मंदिर के लिए अध्योया में खरीदी गई जमीन के विवाद के सिलसिले में कहा कि जमीन बेचने वाला मुस्लिम व्यक्ति है और उसने खुद ही कहा है कि उसने बाजार मूल्य से कम दाम पर जमीन ट्रस्ट को दी है, लेकिन कुछ नेताओं ने बयान देकर मामले को संदिग्ध बनाने का प्रयास किया है। केजरीवाल और संजय सिंह जैसे नेता आरोप लगा रहे हैं, जो अपने बयानों को लेकर कोर्ट में ही माफी मांग चुके हैं। अब राम जन्मभूमि ट्रस्ट ऐसे नेताओं पर मुकदमा करने वाला है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कश्मीर में धारा 370 वाले बयान को लेकर उनका कहना था कि वे मीडिया में सुर्खियां बटोरने और वोट बैंक के लिए ऐसे बयान देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल 25-50 वर्ष तक कांग्रेस की सरकार बनने की संभावना नहीं है। उनके बयान को कोई गंभीरता से नहीं लेता और अभी तक उनकी नेता सोनिया गांधी ने इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

अनलॉक होते ही बिगड़ने लगी स्मार्ट सिटी की यातायात व्यवस्था लगने लगा जाम

ग्वालियर। शहर के अनलॉक होते ही यातायात व्यवस्था लडखडालने लगी है। यातायात नियमों का उलंघन करने वाले वाहनों के कारण शहर के प्रमुख मार्गों पर जाम लगने है। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं नगर की यातायात व्यवस्था संभालने वाले पुलिस के जवान चौराहों पर बुत बनकर खडे नजर आ रह है। अनलॉक के बाद साहलग के सीजन कारण शहर के बाजारों में इन दिनों खरीददारी करने आ रहे लोगों के कारण बाजारों में भीड बढती जा रही है। लोग अपने चार पहिया और दुपहिया वाहनों को मुख्य मार्गों पर ही खड़े कर देते हैं। जिससे जाम लग जाता है। नगर के सरफा बाजार महारजबाडा मुरार हजीरा जैसे प्रमुख बाजरों में दिन चढने के साथ ही सडकों पर दुकानदारों के कब्जा होने के कारण सडकें और सिकुड जाती है।

प्रतिदिन जलेगा लोकसभा के एक सांसद का पुतला : जगवीर दास

कहा- जैसे भारत की संसद में बैठे 99 प्रतिशत से अधिक सांसद प्राकृतिक रूप से प्राकृतिक अंगों से पैदा हुए हैं उसी तरह हमारे बच्चे और नाती पोतों का पैदा होना सुनिश्चित हो

संकट मोचन मंदिर में 14 महीने से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए चल रहा है हवन-यज्ञ

ग्वालियर। भारत को नारी शक्ति को बचाना है। शारीरिक रूप से कमजोर होने से और लगाम लगानी है। भय दिखा कर शल्य प्रक्रिया से प्रसव करने वाले लालची डॉक्टरों पर। जब बच्चे पैदा होने से रोकने के लिए वैज्ञानिकों ने कई दवाएं कई तरीके खोज लिए तो पूर्व की तरह प्राकृतिक रूप से प्राकृतिक अंगों से बच्चे पैदा हो उसके लिए कोई उपाय क्यों नहीं खोजा जा सकता। इंसानों को छोड़कर सभी जीवो गाय भैंस बकरी कुत्ता बिल्ली सभी जानवरों केप्रसव प्राकृतिक रूप प्राकृतिक अंगों से से हो रहे हैं तो इंसानी महिलाओं के पेट क्यों फाड़े जा रहे हैं। जिस महिला का पेट दो या तीन बार फाड़ दिया जाएगा वह महिला अपनी वृद्धावस्था में अपने शरीर को कैसे स्वस्थ रख पाएगी। यह डॉक्टर लोग नर्सिंग होम वाले अपने बच्चों तक के लिए व्यवसाय तैयार करके जा रहे हैं महिलाओं को स्थाई रूप से मरीज बनाकर। यह शल्य प्रसव एक प्रकार से अघोषित परिवार नियोजन करने की मनसा भी नजर आती है। क्योंकि पेट फाड़कर बच्चे दो या तीन से अधिक कोई महिला करेगी ही नहीं तो देश में परिवार नियोजन स्वतह ही हो जाएगा। यह सब देख कर मंदिर के सेवक जगबीर दास और भक्त गणों ने संबंधितों को प्राकृतिक प्रसव सुनिश्चित कराने के लिए सबसे पहले 21 जनवरी को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, प्रदेश के मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। उसके पश्चात 27 जनवरी को मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी ग्वालियर को ग्वालियर जिले में 4 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिसमें मांग की के सभी प्रसव कराने वाले नर्सिंग होम अपने मुख्य द्वार पर एक साइन बोर्ड लगाएं यह चार बिंदु नंबर 1 यहां पर प्रसव कराया जाता है। नंबर दो गर्भाशय विशेषज्ञ के डॉक्टर का नाम उनकी डिग्री सहित। नंबर तीन सामान्य एवं सीजर प्रसव का कितना चार्ज निर्धारित किया गया है। नंबर 4 सन 2020 में उनके यहां सामान्य एवं सीजर प्रसव का कितना प्रतिशत रहा है। इसके पश्चात मंदिर के सेवकों द्वारा 21 फरवरी 2021 को फुलबाग गेट पर धरना दिया गया।

युवक के ब्लाइंड मर्डर का खुलासा: उधारी पर दिए पांच हजार रुपए वापस नहीं कर रहा था युवक, इसलिए नशेड़ी दोस्तों के साथ मिलकर मार डाला

ग्वालियर। जनकगंज पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा किया है। दो आरोपियों को भी पुलिस ने दबोच लिया है। आरोपी पुलिस से बचने के लिए बहोड़ापुर इलाके में छिपे थे। दोनों आरोपी युवक के दोस्त थे। 5 हजार रुपए के लेनदेन पर वारदात की थी। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त सरिया बरामद कर लिया है। एएसपी सत्येन्द्र सिंह तोमर ने बताया, बुधवार सुबह गोल पहाड़िया स्थित नवग्रह कॉलोनी में युवक की लाश मिली थी। मृतक की पहचान गौरव सोनी के रूप में हुई थी। जांच में पता चला, गौरव को कुछ युवक उसके घर से बुलाकर लाए थे। पता चलते ही पुलिस ने आस-पास के सीसीटीवी तलाशे, तो पता चला कि इस रास्ते पर कैमरे नहीं हैं। गौरव के मोबाइल नंबर की डिटेल और आस-पास पूछताछ में पता चला कि आखिरी बार मृतक पास ही रहने वाले कालू उर्फ विशाल जाटव और नाबालिग निवासी बहोड़ापुर के साथ देखा गया था।

PRABAL RAJAWAT
(medicine counselor)
M.9584013254

Air SON PHARMA

PRASHANT BHADOURIYA
M.8279318693

Patient Home Care Services
we care for you

24 hours healthcare facilities at home Patient and child care taker facilities male and female All nursing care at home Hospital duty SOS .nursing staff available All specialist and consalting at your home Blood urin sample collect your home

Shivendra singh
(Gwalior diagnostic)
M.9713193637

Near madhav plaza lashkar Gwalior 474001

400 लीटर कच्ची शराब जब्त, एक लाख लीटर लहान किया नष्ट

पुलिस ने चक मियांपुर केरूआ में की छापामार कार्यवाही

भितरवार - अवैध रूप से शराब बनाकर विक्रय करने के आये दिन मिल रही शिकायतों को देखते हुए पुलिस ने शराब बनाने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर छापामार कार्रवाही शुरू कर दी है। थाना प्रभारी पंकज त्यागी के निर्देशन में पुलिस कर्मियों ने भितरवार क्षेत्र के चक मियांपुर में छापामार कार्रवाही करते हुए। 400 लीटर कच्ची शराब जब्त कर एक लाख लीटर लहान नष्ट किया। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के विभिन्न गांवों में अवैध रूप से शराब बनाकर बेची जाने की मिली शिकायतों को देखते हुए गुरूबार को दोपहर स्थानीय पुलिस कर्मियों की टीम चक मियांपुर केरूआ पहुँचीं। जहां उन्होंने एक विशेष समुदाय द्वारा बनाई जा रही शराब को पक?ने छापामार कार्यवाही की। जहां टीम को मौके पर कच्ची शराब बनते मिली। जिसे जब्त कर जेसीबी मशीन से जमीन के अंदर ड्रमों में लहान भरा हुआ मिला। जिसे नष्ट किया गया। वहीं टीम ने कार्रवाही के दौरान सबसे पहले शराब बनाने में उपयोग होने बाली भट्टी सहित अन्य सामग्री को तो?कर नष्ट किया। वहीं इसके बाद पुलिस बल ने जब्त की गई 400 लीटर शराब जब्त की। और ड्रमों में भरा रखा एक लाख लीटर लहान नष्ट किया। वहीं की गई कार्रवाही के दौरान अवैध शराब बना रहे लोगों में हड़कंप मच गया।

महंगाई के खिलाफ 19 जून को एस यू सी आई (कम्युनिस्ट) करेगी विरोध प्रदर्शन

ग्वालियर। दैनिक जीवन के लिए आवश्यक वस्तुओं के दामों में अन्याय पूर्ण अप्रत्याशित वृद्धि के खिलाफ आगामी 19 जून 2021 को सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया कम्युनिस्ट के द्वारा राज्य स्तरीय विरोध दिवस घोषित किया गया है ।

इस संबंध में सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट)के मध्य प्रदेश राज्य सचिव कामरेड प्रताप सामल ने अपने वक्तव्य में बताया है कि यह बहुत तकलीफदेह है कि एक ऐसे समय में जब देश की जनता महामारी की मार और लॉकडाउन के कारण भयावह बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से जूझ रही है,जब अखबारों में परिवार सहित आत्महत्याओं की खबरें दर्ज हो रही हैं, महामारी से लाखों परिवार अपने परिजनों को खोकर निराधार हो गए हैं ।ऐसी विपत्ति के समय आवश्यकता इस बात की थी कि केंद्र व राज्य सरकार जनता की तकलीफों को कम करने के लिए राहत पहुंचाने के कदम उठाती, अधिक से अधिक लोगों के लिए रोजगार और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करती और हर जरूरतमंद परिवार को सभी आवश्यक वस्तुएं कम दामों में सुलभ कराती ताकि आम जनता को महामारी से मिले घावों पर मलहम लग पाता और गरीब जनता को भुखमरी से बचाना संभव हो पाता ।किंतु इसके

विपरीत बहुत दुख के साथ हम देख रहे हैं कि केंद्र व राज्य सरकार जनता की पूरी तरह अनदेखी कर पूंजीपतियों के अधिकतम मुनाफे को सुनिश्चित करने के लिए जनता की लूट की खुली छूट पूंजी पतियों को दे रही है। खाद्य तेल ,दाल, पेट्रोल, डीजल जैसी आवश्यक वस्तुओं के दाम आकस्मिक रूप से नहीं बढ़ रहे हैं अपितु सरकारों द्वारा पूंजी पतियों के मुनाफे को सुनिश्चित करने के लिए एक के बाद एक लाई गई नीतियों का परिणाम है। केंद्र सरकार द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम1954 में परिवर्तन कर उसे कालाबाजारी और जमाखोरी के खिलाफ अप्रभावी बना दिया गया है परिणाम स्वरूप अदानी जैसे पूंजी पतियों की विशालकाय पूंजी तेल ,दाल जैसी आवश्यक वस्तुओं का असीमित स्टॉक कर मनमाने दाम तय कर रही हैं। सरकार द्वारा खाध तेल के आयात पर रोक लगाकर कृत्रिम अभाव निर्मित करने में पूंजी पतियों को सहायता दी जा रही है।

पेट्रोल डीजल के दाम तय करने का पूर्ण अधिकार सरकार ने निजी कंपनियों को दे दिया है परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल बहुत सस्ता होने पर भी लाभ जनता तक नहीं पहुंच रहा है पूंजीपति अकूत मुनाफा लूटने के लिए मनमाने दाम बढा रहे हैं ,इसको रोकने के बजाय केंद्र सरकार स्वयं 32 प्रति लीटर और राज्य सरकार 13 प्रति लीटर टैक्स वसूल रही है और लगभग इतना ही मुनाफा निजी कंपनी हर लीटर पेट्रोल पर ले रही है परिणाम स्वरूप आम जनता असहाय अवस्था में लूटी जा रही है रक्त चूसने वाली जोंकों की तरह केंद्र व राज्य सरकार की पूंजी पति परस्त नीतियां आम जनता का रक्त निचोड़ कर उसे मौत के मुंह में ले जा रही है। इसके खिलाफ मेहनतकश जनता को जनकमेटियां निर्मित कर दीर्घकालीन, विशाल जन आंदोलन खड़ा करना होगा ताकि पूंजीपति परस्त नीतियों को नेस्तनाबूद किया जा सके और इस शोषण का खात्मा हो सके।साथ ही हम सरकार से मांग करते हैं कि आवश्यक वस्तु अधिनियम में किए गए संशोधन रद्द करे और पैटोल, डीजल, खाद्य तेल सहित सभी आवश्यक वस्तुएं तार्किक मूल्य पर मिलना सुनिश्चित करे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. I31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478